संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
मंगलवार
9 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 166
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

अल्बा स्मेरिग्लियो चंडीगढ़ की नई ब्रिटिश उप उच्चायुक्त नियुक्त

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

नवजोत कौर सिद्धू अपने विवादित बयान की वजह से कांग्रेस पार्टी से सस्पेंड

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नवजोत कौर सिद्धू को उनके विवादित बयान की वजह से तुरंत कांग्रेस पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है। पंजाब कांग्रेस चीफ अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने एक ऑर्डर में कहा, 'डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को तुरंत पार्टी की प्राइमरी मेंबरशिप से सस्पेंड किया जाता है।' यह सिद्धू के एक विवादित बयान के कुछ घंटों बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'जो 500 करोड़ रुपये का सूटकेस देता है, वह पंजाब में CM बन जाता है'। उन्होंने कांग्रेस लीडरशिप पर करप्शन के गंभीर आरोप भी लगाए थे। पंजाब कांग्रेस के पूर्व चीफ नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी कौर ने शनिवार को गवर्नर गुलाब चंद कटारिया से मिलने के बाद रिपोर्टर्स से कहा था, 'हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं...लेकिन हमारे पास 500 करोड़ रुपये नहीं हैं जो हम चीफ मिनिस्टर की कुर्सी पर बैठने के लिए दे सकें।'

हालांकि, उनके बयान पर पॉलिटिकल बवाल मचने के बाद, नवजोत कौर ने दावा किया कि उनके सीधे कमेंट को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। कौर ने रविवार शाम को X पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं यह देखकर हैरान हूं कि एक सीधी-सादी बात को इतना घुमा-फिराकर कहा गया कि कांग्रेस ने हमसे कभी कुछ नहीं मांगा। नवजोत के किसी दूसरी पार्टी से मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनने के बारे में पूछे जाने पर, मैंने कहा कि हमारे पास CM पद के लिए देने के लिए पैसे नहीं हैं।' उनके बयान के बाद, BJP और AAP ने दावा किया कि उनके कमेंट्स ने इस पुरानी पार्टी के काम करने के तरीके और उसमें होने वाली 'मनी बैग पॉलिटिक्स' की 'कड़वी सच्चाई' को सामने ला दिया है।

कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर भर्ती के लिए पंजाब पुलिस नियमों में संशोधन को हरियाणा कैबिनेट की मंजूरी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक आज मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में यहां आयोजित हुई, जिसमें हरियाणा पुलिस में कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर के पदों पर सीधी भर्ती के लिए पंजाब पुलिस नियम, 1934 में संशोधन करने को मंजूरी प्रदान की गई। इन नियमों को पंजाब पुलिस (हरियाणा संशोधन) नियम, 2025 के रूप में अधिसूचित किया जाएगा।

इन संशोधनों के तहत पंजाब पुलिस नियम, 1934 के नियम 12.16 में संशोधन किया गया है। मौजूदा उप-नियम (8) को प्रतिस्थापित करते हुए यह प्रावधान किया गया है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग शारीरिक मापन परीक्षण (PMT) और शारीरिक स्क्रीनिंग परीक्षण (PST) में उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से प्रत्येक श्रेणी के विज्ञापित पदों की संख्या से दस गुना उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करेगा, जिन्हें नॉलेज टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा।

नॉलेज टेस्ट में 97 प्रतिशत वेटेज होगा और यह वस्तुनिष्ठ, बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगा, जिसमें प्रत्येक प्रश्न समान अंक का होगा। परीक्षा हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में आयोजित होगी, सिवाय उन स्थितियों के जब हिंदी/अंग्रेज़ी भाषा के ज्ञान का परीक्षण किया जाना हो।

प्रश्न पत्र में सामान्य अध्ययन, सामान्य विज्ञान, करंट अफेयर्स, सामान्य तर्कशक्ति, मानसिक योग्यता, संख्यात्मक क्षमता, कृषि, पशुपालन तथा संबंधित क्षेत्रों या ट्रेड्स से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे। कम से कम 10 प्रतिशत प्रश्न बेसिक कंप्यूटर ज्ञान से संबंधित और कम से कम 20 प्रतिशत प्रश्न हरियाणा के मूलभूत ज्ञान से संबंधित होंगे। प्रश्नों का स्तर शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप होगा — कॉन्स्टेबल के लिए 10+2 और सब-इंस्पेक्टर के लिए स्नातक स्तर।

सामान्य श्रेणी के पदों के लिए चयन हेतु नॉलेज टेस्ट में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। आरक्षित श्रेणी (वर्टिकल या हॉरिजॉन्टल) के उम्मीदवारों को 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जिससे उनके लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक आवश्यक होंगे।

यात्रियों की परेशानी जारी, इंडिगो ने दिल्ली और बेंगलुरु से 250 से अधिक उड़ान रद्द कीं

मुंबई- इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान सातवें दिन भी जारी रहा और विमानन कंपनी ने सोमवार को दिल्ली और बेंगलुरु हवाई अड्डों से 250 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे से कुल 134 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें रवाना होने वाली 75 और पहुंचने वाली 59 उड़ान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह इंडिगो ने बेंगलुरु हवाई अड्डे से 127 उड़ानें रद्द कीं, जिनमें रवाना होने वाली 62 और पहुंचने वाली 65 उड़ानें शामिल हैं।

एक अन्य घटनाक्रम में, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार को इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स और जवाबदेही प्रबंधक इस्ट्रो पोर्क्वेरास को उड़ानों में व्यवधान को लेकर जारी किए गए 'कारण बताओ नोटिस' का जवाब देने के लिए और समय दे दिया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों को अपने जवाब दाखिल करने के लिए 24 घंटे का अतिरिक्त समय, यानी सोमवार शाम छह बजे तक की समय सीमा दी गई है। पिछले कई दिनों से इंडिगो की उड़ान सेवाओं में बड़े पैमाने पर लगातार व्यवधान हो रहा है, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी है। इसी पृष्ठभूमि में नियामक ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

अधिकारी ने बताया कि शनिवार को जारी नोटिस में एल्बर्स और पोर्क्वेरास को रविवार शाम तक जवाब देने के लिए कहा गया था।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा दक्षिण कोरिया के व्यापारिक दिग्गज़ों से विचार-विमर्श

पैंग्यो टेक्नो वैली की तर्ज़ पर मोहाली को विकसित करने की घोषणा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज दक्षिण कोरिया की अग्रणी कंपनियों— डैवू इंजीनियरिंग एवं निर्माण, जी.एस. इंजीनियरिंग एवं निर्माण, नॉन्गशिम, कोरिया रक्षा उद्योग संघ, सियोल व्यवसाय एजेंसी तथा अन्य अनेक कंपनियों—को राज्य में निवेश करने का आमंत्रण दिया।

दक्षिण कोरिया दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने डैवू इंजीनियरिंग एवं निर्माण के चेयरमैन जंग वॉन जू से मुलाक़ात की और नवोन्मेषी ऊर्जा परियोजनाओं—समुद्री पवन ऊर्जा संयंत्र, सौर ऊर्जा संयंत्र तथा हरित हाइड्रोजन उत्पादन—में सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संबंधी बुनियादी ढाँचे—तरलीकृत प्राकृतिक गैस टर्मिनल, पेट्रो-रासायनिक परिसर, उर्वरक संयंत्र—तथा आधुनिक आवासीय और शहरी विकास परियोजनाओं, स्मार्ट नगर परियोजनाओं, और सड़क, पुल, रेल, बंदरगाह व हवाई अड्डों से संबंधित सिविल ढाँचे में सहयोग की अपार संभावनाएँ हैं।

मुख्यमंत्री ने मॉड्यूलर तथा पूर्व-निर्मित ढाँचों की आधुनिक निर्माण तकनीक में तकनीकी आदान-प्रदान की आवश्यकता पर भी बल दिया ताकि तेज़ और किफायती निर्माण मॉडल विकसित किए जा सकें।

डैवू इंजीनियरिंग एवं निर्माण जैसी विश्वविख्यात अवसंरचना कंपनी के साथ रणनीतिक बैठक के दौरान उन्होंने पंजाब की मजबूत औद्योगिक गति, आधुनिक बुनियादी ढाँचों के निर्माण हेतु चल रहे प्रमुख प्रयासों तथा "निवेश पंजाब" प्रणाली के अंतर्गत विशेष संयुक्त निरीक्षण ढाँचे की जानकारी साझा की। उन्होंने वैश्विक उद्योग समूह को पंजाब में व्यापक आधारभूत विकास, आधुनिक निर्माण प्रौद्योगिकियों को अपनाने और प्रस्तावित औद्योगिक नगरों में संभावनाओं की खोज करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने पर्यावरण-अनुकूलता के वैश्विक मानकों के अनुरूप चलने वाली पहलों—ईएसजी प्रतिबद्धताओं और हरित हाइड्रोजन कार्यक्रमों—में साझा प्रयासों पर भी ज़ोर दिया।

इसके बाद हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने जी.एस. इंजीनियरिंग एवं निर्माण के वाइस चेयरमैन यंग हा र्यु से मुलाक़ात की। उन्होंने सौर, पवन और हाइड्रोजन जैसी नव्य ऊर्जा परियोजनाओं; सड़क, पुल और स्मार्ट नगर जैसी आधारभूत परियोजनाओं; तथा औद्योगिक परिसरों एवं अभिकल्प-खरीद-निर्माण (ई.पी.सी.) सेवाओं के क्षेत्र में समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मॉड्यूलर निर्माण तकनीक और हरित हाइड्रोजन तथा स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विशाल संभावनाओं का उल्लेख किया और राज्य सरकार की ओर से हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया।

नॉन्गशिम होल्डिंग्स के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्य एवं प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग में संयुक्त कार्य का प्रस्ताव रखा। उन्होंने भारतीय स्वादानुसार नवीन त्वरित-पकवान (इंस्टैंट) नूडल्स के नए संस्करण विकसित करने की आवश्यकता बताई, साथ ही भारत की सुपरमार्केट श्रृंखलाओं और ई-वाणिज्य मंचों पर इनके वितरण के विस्तार पर भी चर्चा की।

उन्होंने युवा वर्ग और स्वास्थ्य-सचेत उपभोक्ताओं तक ब्रांड की पहुँच बढ़ाने, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं के साथ पर्यावरण-हितैषी पैकेजिंग समाधान विकसित करने तथा दीर्घकालिक उपयोग योग्य खाद्य पदार्थ और पौध-आधारित विकल्पों पर अनुसंधान में साझेदारी की वकालत की।

कोरिया रक्षा उद्योग संघ (के डी आई ए) के वाइस चेयरमैन ली सुंग क्यू से बातचीत में मुख्यमंत्री ने रक्षा निर्माण, रक्षा-तकनीक के आदान-प्रदान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और मानव-रहित प्रणालियों जैसी उन्नत सैन्य तकनीकों में सहयोग की आवश्यकता पर चर्चा की।

उन्होंने सायबर सुरक्षा तथा कौशल-विकास कार्यक्रमों में साझा प्रयास करके रक्षा निर्माण क्षेत्र में दक्ष जनशक्ति तैयार करने की संभावनाओं पर भी बल दिया।

सियोल व्यवसाय एजेंसी के स्टार्टअप प्रभाग के निदेशक जोंग वू किम के साथ मुलाक़ात के दौरान मुख्यमंत्री ने पंजाब-आधारित नवोन्मेषी उद्यमों को वैश्विक बाज़ार तक पहुँचाने हेतु उनके त्वरक (एक्सलेरेशन) और इंक्यूबेशन कार्यक्रमों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

उन्होंने स्टार्टअप पारिस्थितिकी-तंत्र, अनुसंधान-विकास, नवाचार-संस्कृति तथा उत्पाद-प्रमाणीकरण (जैसे "सियोल पुरस्कार") में साझेदारी को समय की आवश्यकता बताया।

इसके बाद आयोजित पंजाब में व्यवसाय सुगमता पर गोलमेज़ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोरिया की अग्रणी वाणिज्यिक, निवेश और उद्योग कंपनियों—बी.के.एल., यूलचोन, बडट्री प्रबंधन समूह, एस.के. प्रतिभूति, किम एंड चांग, शिन एंड किम, ली एंड को, डेन्टन्स ली, कोरिया अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन, कोरिया रोबोट उद्योग संघ, कोरिया व्यापार-निवेश प्रोत्साहन संगठन, कोरिया ऑटो-भाग उद्योग सहकारी, युआन्टा प्रतिभूति, कैपस्टोन परिसंपत्ति प्रबंधन, एन.एच. निवेश एवं प्रतिभूति, और कोरिया औद्योगिक अर्थशास्त्र एवं व्यापार संस्थान—के प्रतिनिधियों से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने पंजाब को सर्वाधिक उपयुक्त निवेश स्थान बताते हुए राज्य सरकार द्वारा की गई प्रमुख सुधार पहलों से इन्हें अवगत कराया और उद्योग विकास को और सहज बनाने हेतु सुझाव भी मांगे।

मुख्यमंत्री ने एशिया के सबसे उन्नत नवाचार-केंद्रों में से एक पैंग्यो टेक्नो वैली—जिसे "कोरिया की सिलिकॉन वैली" कहा जाता है—का अवलोकन भी किया। ग्योंगगीदो व्यवसाय एवं विज्ञान त्वरक के अधिकारियों ने उन्हें पैंग्यो के एकीकृत मॉडल, तकनीकी नवोन्मेष, स्टार्टअप संस्कृति और उच्च-मूल्य अनुसंधान की प्रणाली के बारे में जानकारी दी।उनके अनुसार 1,780 से अधिक कंपनियों, 83,000 पेशेवरों और 25,000 शोधकर्ताओं वाला पैंग्यो विश्व-स्तरीय नवोन्मेषिक क्षेत्र है। मुख्यमंत्री ने पैंग्यो के संरचित त्वरक कार्यक्रमों, विशेष परीक्षण सुविधाओं और प्रदर्शन-आधारित मूल्यांकन पद्धतियों की विशेष प्रशंसा की और कहा कि मोहाली में भी ऐसे मॉडल अपनाकर स्टार्टअप पारिस्थितिकी, अनुसंधान-विकास और कौशल-आधारित रोजगार को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने मोहाली को व्यापक विकास देकर उसे नवाचार-केंद्र के रूप में उभारने की आवश्यकता बताई।

आजादी का प्रेरणास्त्रोत रहा वंदे मातरम् आजाद भारत का भी है विजन : मोदी

नयी दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी के दीवानों का मंत्र बने 'वंदे मातरम्' गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी और पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया।

श्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् गीत के 150वें वर्ष पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरु कर दिए थे।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का एक ऐसा कालखंड रहा है जिसमें इतिहास के कई प्रेरक उदाहरण देश के सामने मौजूद है। वंदे मातरम् के जब सौ साल पूरे हो गये थे तो उस समय इसकी शताब्दी का उत्तम पर्व मनाया जाना था लेकिन तब देश को आपातकाल में धकेल दिया गया था और देश के नागरिकों का गला घोंटा जा रहा था। देश की आजादी के आंदोलन को ऊजा देने वाले वंदे मातरम् के सौ साल पूरे होने के समय देश को आपाताकाल के काले कालखंड में धकेल दिया गया था।

प्रधानमंत्री ने कहा 'वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है। वंदे मातरम् की भावना के साथ देश की आजादी की लड़ाई लड़ी गयी और इस गीत के भाव में आजादी के दीवाने देश के लिए प्राण न्यौछावर कर रहे थे।' उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था जब अंग्रेज सल्तनत 1857 की क्रांति से बौखलाई थी और देश की महान विभूतियों को मजबूर किया जा रहा था। जब चारों तरफ वंदे मातरम् की आवाज गूंज रही थी, देश को गुलाम बनाए रखने के लिए बड़ा षडयंत्र चल रहा था तो उस स्थिति को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय चुनौती दे रहे थे।

रेखा गुप्ता ने कैबिनेट मंत्रियों के साथ श्री दरबार साहिब में माथा टेका

अमृतसर - दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने छह कैबिनेट मंत्रियों के साथ सोमवार को श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब के 350वें स्मरणोत्सव के मौके पर स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करने के लिए अमृतसर पहुंचीं।

अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वरिष्ठ भाजपा नेताओं और अमृतसर शहर के अध्यक्ष हरविंदर संधू ने श्रीमती गुप्ता और उनके मंत्रियों का फूलों के गुलदस्ते और मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद वह सीधा स्वर्ण मंदिर के लिए रवाना हो गईं। जहां वह गुरुघर में मत्था टेकेंगी। उनकी यह यात्रा राजनीतिक रूप से अहम होने के साथ-साथ धार्मिक सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का संदेश देने वाली मानी जा रही है।

स्वर्ण मंदिर की अपनी यात्रा की एक झलक शेयर करते हुए, श्रीमती गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेकने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पवित्र स्थल के दर्शन मात्र से ही अद्भुत शांति की अनुभूति होती है। हरमंदिर साहिब केवल एक धरोहर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा और सेवा का दिव्य केंद्र है, जहां आस्था कर्म में बदलती है और भक्ति चरित्र गढ़ती है। यहां सरबत दा भला की अरदास की और सभी के सुख, स्वास्थ्य व कल्याण के लिए प्रार्थना की। दिल्ली को लाल किले पर श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित भव्य समागम का सफलतापूर्वक आयोजन होना, वाहेगुरु जी की अनंत कृपा और गुरु साहिब का अपार आशीर्वाद है। प्रार्थना है कि वाहेगुरु जी हम सब पर अपनी मेहर बनाए रखें, हमें सेवा, करुणा और कर्तव्य-पथ पर अडिग रहने की शक्ति प्रदान करें।'

मुख्यमंत्री के दौरे की शुरुआत श्री हरिमंदिर साहिब से हो रही है—जो सिख आस्था और विश्व शांति का केंद्र माना जाता है। यहां वे गुरबाणी का आशीर्वाद लेंगी और समुदाय को शांति-समानता का संदेश देने की उम्मीद है। इसके बाद मुख्यमंत्री गुप्ता का काफिला श्री दुर्गियाना मंदिर पहुंचेगा, जो अमृतसर की धार्मिक पहचान का एक प्रमुख प्रतीक है। यहां वे पूजा-अर्चना करेंगी और हिंदू धार्मिक परंपराओं का सम्मान प्रकट करेंगी। यह पड़ाव शहर की धार्मिक विविधता और सांस्कृतिक एकजुटता को रेखांकित करता है। दौरे का अंतिम चरण श्री रात तीर्थ रहेगा। यह वही भूमि मानी जाती है जहां ऋषि वाल्मीकि रहे और जहां माता सीता ने निवास किया और लव-कुश का जन्म हुआ। वार्ता

IISF पंचकूला में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल: भारत तेज़ी से 6G, एआई और नवाचार आधारित भविष्य की ओर अग्रसर

- नए युग की प्रौद्योगिकियाँ - विज़न 2047' पर पैनल चर्चा में नई तकनीक को बढ़ावा देने का आह्वान
- ऊर्जा और आवासन क्षेत्रों में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका- श्री मनोहर लाल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहरलाल ने पंचकूला में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) के तीसरे दिन 'नए युग की प्रौद्योगिकियाँ - विज़न 2047' पर पैनल चर्चा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि नई तकनीक और नवाचार को आगे बढ़ाना और उन्हें समाज के हित में अधिक से अधिक लागू करना अब हमारे वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों की जिम्मेदारी बन गई है।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का आयोजन हरियाणा के पंचकूला में हो रहा है और हम सभी इस महोत्सव के साक्षी बन रहे हैं। इससे पहले भी हरियाणा को फरीदाबाद में इस महोत्सव का आयोजन करने का अवसर मिल चुका है। उन्होंने कहा कि इस फ़ेस्टिवल का उद्देश्य अकादमिक जगत और उद्योग जगत को एक मंच पर लाना है, ताकि दोनों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में विज्ञान ने बहुत तरक्की की है। विज्ञान की ही बदौलत आज दुनिया बहुत छोटी लगने लगी है। दूरसंचार के माध्यम से हम वायर और वायरलेस तकनीक का उपयोग कर एक-दूसरे से बात कर सकते हैं और दुनिया में कहीं भी बैठे व्यक्ति को देख भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब इससे आगे बढ़ते हुए एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का दौर आ गया है, जिसे भविष्य की महत्वपूर्ण तकनीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि एआई टूल्स का सही उपयोग करके किसी भी समस्या का प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है । उन्होंने कहा कि वे वैज्ञानिकों से अनुरोध करते हैं कि एआई का प्रयोग सावधानीपूर्वक और समाजहित में करें, ताकि इसका सार्थक रूप से अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज एआई का उपयोग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में भी इसके प्रयोग पर विशेष बल दिया गया है। स्मार्ट मीटरिंग और आवश्यकता के अनुसार बिजली उपकरणों के संचालन में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिससे खर्च में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के अलावा आवासन के क्षेत्र में भी एआई का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। मकानों की डिजाइन इस प्रकार तैयार की जा सकती है कि वे सर्दियों में अत्यधिक ठंडे न हों और गर्मियों में बहुत गर्म न हों। इसमें एआई की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

श्री मनोहर लाल ने कहा की भारत सरकार ने 1 लाख करोड़ का अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) कोष शुरू किया, जो एआई, क्वांटम, स्वच्छ ऊर्जा और बायोटेक जैसे रणनीतिक और उभरते तकनीकी क्षेत्रों में निजी क्षेत्र के अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) के तहत पेशेवर निधि प्रबंधकों के माध्यम से संचालित, गहन तकनीक परियोजनाओं को वित्तपोषित करके और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर भारत को एक वैश्विक नवाचार केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत अब संचार तकनीक में 5G से आगे बढ़कर तेज़ी से 6G की ओर अग्रसर हो रहा है।

इस अवसर पर श्री मनोहर लाल ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए। हरियाणा से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि हरियाणा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेज़ी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार और अनुसंधान को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री श्री मोहनलाल ने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी नारायण, आईआईटीएम के निदेशक डॉ. सूर्यचंद्र राव, सीएसआईआर-सीएसआईओ के निदेशक डॉ. शांतनु भट्टाचार्य सहित अन्य पैनलिस्ट भी उपस्थित थे।

शिक्षा का सही उद्देश्य युवाओं को उत्तरदायी बनाना : डॉ. शांडिल

- गुणात्मक स्वास्थ्य एवं शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध - संजय अवस्थी
- 1.27 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित स्वास्थ्य केन्द्र लोगों को समर्पित

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य युवाओं को उत्तरदायी नागरिक बनाना है। डॉ. शांडिल आज अर्की उपमण्डल क्षेत्र की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घनागुघाट में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। डॉ. शांडिल ने इससे पूर्व ग्राम पंचायत घनागुघाट में स्थानीय विधायक संजय अवस्थी के साथ एक करोड़ 27 लाख 30 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का लोकार्पण भी किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य युवाओं का समग्र विकास सुनिश्चित बनाना है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन का आधार शिक्षा एवं संस्कार हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि अपनी संस्कृति को समझें और संस्कारों को ग्रहण करें तथा यह प्रयास करें कि विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर प्राप्त शिक्षा को जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि वर्तमान के प्रतिर्स्पाधात्मक युग में छात्रों के विकास के लिए प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा को विश्वस्तरीय बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी राजकीय आदर्श डे बोर्डिंग विद्यालय स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। इन विद्यालयों के माध्यम से छात्रों को एक ही स्थान पर गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं बेहतर खेल सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी।

सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि नशा समाज के लिए आज एक चुनौती बन गया है। इस चुनौती से निपटने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा आरम्भ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान इस दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने सभी से युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए इस अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित बनाने का आग्रह किया। डॉ. शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विगत तीन वर्षों में स्वास्थ्य शिक्षा में आधारभूत संरचना और आधुनिक उपकरणों पर 1,207 करोड़ रुपए की राशि व्यय की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ तथा आधुनिक बनाने के लिए विशेष रूप से प्रयास कर रही है। हिमाचल के इतिहास में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश में पहली बार रोबोटिक सर्जरी की सुविधा आरम्भ की है। उन्होंने कहा कि ज़िला शिमला के चमियाणा स्थित अटल इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज और ज़िला कांगड़ा के टांडा अस्पताल में रोबोटिक मशीनें स्थापित कर इस सुविधा की शुरूआत की गई है। यह सुविधा राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के इतिहास में एक नए युग का आगाज़ है।

डॉ. शांडिल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को अपनी ऐच्छिक निधि से 11 हजार रुपए की राशि देने की घोषणा की। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नशे की समस्या से निपटने के लिए सभी स्तरों पर गम्भीर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी एकजुट होकर नशे पर लगाम लगाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि नशा केवल क्षणिक सुख प्रदान कर सकता है और नशे से बचाव के लिए युवा पीढ़ी को अपने अभिभावकों, अध्यापकों और प्रदेश सरकार का साथ देना होगा। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र वर्तमान प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए प्रदेश के अस्पतालों में होने वाले मेडिकल टेस्टों की ऑनलाइन पेमेंट के लिए ऐप विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब लोगों को अस्पतालों में विभिन्न परीक्षणों के शूल्क जमा करवाने के लिए लाइन में नहीं लगना होगा।

संजय अवस्थी ने खेलकूद प्रतियोगिता तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भाग लें।

विधायक ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को अपनी ऐच्छिक निधि से 5100 रुपए तथा आयोजन समिति को 21 हजार रुपए प्रदान करने की घोषणा की। डॉ. शांडिल और संजय अवस्थी ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनी और इनके शीघ्र निपटारे के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए। डॉ. शांडिल और संजय अवस्थी ने स्थानीय स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम से लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घनागुघाट की कार्यकारी प्रधानाचार्य सुनीता ठाकुर ने इस अवसर पर वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा ग्राम पंचायत घनागुघाट की प्रधान मधुबाला ठाकुर ने मुख्यातिथि का स्वागत किया।इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर जिला विपणन एवं उपभोक्ता संघ के निदेशक सुरेन्द्र ठाकुर, ग्राम पंचायत घनागुघाट की प्रधान मधुबाला, ग्राम पंचायत घनागुघाट के उप प्रधान प्रवीण, वरिष्ठ कांग्रेसी सतीश कश्यप, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय पाठक, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता कृष्णकांत चौहान, बाघल लैंड लूजर समिति के अध्यक्ष जगदीश ठाकुर, अभिभावक, अध्यापक, छात्र व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

एसजेवीएन की अध्यक्षता में नराकास का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

शिमला। एसजेवीएन लिमिटेड की अध्यक्षता में गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), शिमला (कार्यालय-2) का वार्षिक राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह तथा छमाही बैठक का आयोजन एसजेवीएन लिमिटेड के परिसर में आज किया गया।इस अवसर पर श्री चन्द्र शेखर यादव,कार्यकारी निदेशक(मा.सं.) सहित राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त निदेशक(कार्यान्वयन), श्री कुमार पाल शर्मा तथा श्री आशीष पंत, महाप्रबंधक(राजभाषा) एसजेवीएन लिमिटेड उपस्थित रहे।इस बैठक के दौरान सदस्य कार्यालयों में सर्वश्रेष्ठ राजभाषा कार्य-निष्पादन के लिए उन्हें नराकास राजभाषा शील्ड से सम्मानित भी किया गया। ये पुरस्कार श्री चन्द्र शेखर यादव,कार्यकारी निदेशक(मा.सं.) के करकमलों से प्रदान किए गए। कार्यालयों की संख्या के आधार पर पुरस्कारों को तीन श्रेणियों यथा सरकारी कार्यालय एवं वित्तीय संस्थान, सार्वजनिक उपक्रम तथा बैंक श्रेणी में विभाजित किया गया है। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम,द्वितीय, तृतीय एवं दो प्रोत्साहन पुरस्कार सुनिश्चित किए गए हैं। प्रथम पुरस्कार एसजेवीएन लिमिटेड, भारतीय जीवन बीमा निगम तथा पंजाब नैशनल बैंक को प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार आरईसी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को मिला। जबकि इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड(इंडेन), क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय तथा यूको बैंक को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, खुदरा मंडल, मुख्य महाप्रबंधक, दूरसंचार, परिमंडल, न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक तथा यूनियन बैंक को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर श्री चन्द्र शेखर यादव,कार्यकारी निदेशक(मा.सं.), एसजेवीएन द्वारा राजभाषा गृहपत्रिका ''हिमसंवाद'' के चतुर्थ अंक का विमोचन भी किया गया। पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य सदस्य कार्यालयों की सृजनात्मकता तथा रचनात्मक अभिरुचि को बढ़ावा देने के साथ-साथ राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करना है।इस पत्रिका के प्रकाशन का समस्त दायित्व एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा निभाया गया है।मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक(मा.सं.), श्री चन्द्र शेखर यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सभी सदस्य कार्यालय अपने-अपने कार्यालय में सराहनीय कार्य कर रहे हैं और आगे भी इसी गति को बनाए रखते हुए अधिकतम कामकाज हिंदी में संपन्न करने का हरसंभव प्रयास करें ढ्ढ इस अवसर पर नराकास के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं एसजेवीएन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा नेपाल में अरुण-3 जलविद्युत परियोजना में प्रगति की समीक्षा की गई

शिमला। श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,एसजेवीएन ने श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक(कार्मिक) के साथ स्ट्रेटेजिक रूप से महत्वपूर्ण क्रॉस-बॉर्डर जलविद्युत उपक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए आज नेपाल में 900 मेगावाट की अरुण-3 जलविद्युत परियोजना का दौरा किया।यह दौरा भारत और नेपाल के मध्य क्लीन एनर्जी कोलेबोरेशन को तीव्रता से पूर्ण करने के एसजेवीएन के दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।दौरे के दौरान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा निदेशक(कार्मिक) ने प्रमुख स्थलों पर परियोजना की गतिविधियों का पूरा जायजा लिया। फविसंडा में, उन्होंने बांध स्थल का निरीक्षण किया, जहाँ श्री गुप्ता ने परियोजना टीम से सुरक्षा, गुणवत्ता और समय पर कार्य पूर्ण करने के सबसे उच्च मानकों को

बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने रीजनल क्लीन एनर्जी कोऑपरेशन को सुदृढ़ करने और भावी विद्युत आवश्यकताओं को पूर्ण करने में अरुण-3 परियोजना की महत्ता पर बल दिया। तत्पश्चात डेलीगेशन ने पुखुवा में विद्युत गृह तथा परियोजना के अन्य प्रमुख घटकों का दौरा किया। परियोजना अधिकारियों ने हाल ही की उपलब्धियों, दुर्गम हिमालयी क्षेत्र एवं मौसम से उत्पन्न चुनौतियों और निरंतर निर्माण की प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए लागू किए जा रहे समाधान के तरीकों पर विस्तृत अपडेट प्रस्तुत किया। श्री गुप्ता ने कठिन हालात में कार्यरत जनशक्ति के समर्पण एवं मिलकर किए गए कार्यों की सराहना की और परियोजना के शेष माइलस्टोन को पूर्ण करने में निरंतर तीव्रता लाने के निर्देश दिए। सर्वोत्कृष्ट परियोजना के तौर पर अरुण-3 एचईपी के महत्व के मद्देनजर, उन्होंने कहा कि इसकी कमीशनिंग से भारत और नेपाल दोनों की ऊर्जा सुरक्षा एवं आर्थिक विकास में काफी सहायता मिलेगी। कमीशनिंग होने पर उत्पादित 900 मेगावाट क्लीन, रिन्यूएबल एनर्जी से क्षेत्रीय सहयोग सुदृढ़ होगा और पर्यावरणीय रूप से स्थायी विकास को बढ़ावा मिलेगा।इस अवसर पर, श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक(कार्मिक) ने भी चुनौतीपूर्ण भौगोलिक एवं जलवायु परिस्थितियों में कार्य कर रही परियोजना टीम की निरंतर प्रयासों की सराहना की।दोनों देशों के लिए परियोजना की रणनीतिक महत्ता पर बल देते हुए, उन्होंने परियोजना निर्माण के संपूर्ण चरण में सुरक्षा, अनुशासन तथा टीमवर्क के उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।उन्होंने सभी कार्मिकों को परियोजना टाइमलाइन में पूरा करने के लिए अपने फोकस्ड और कमिटेड प्रयासों को जारी रखने का आह्वान किया। एसजेवीएन, 900 मेगावाट अरुण-ढ्ढढ्ढढ्ढ जलविद्युत परियोजना को अपने पूर्ण स्वामित्व वाली अधीनस्थ कंपनी एसजेवीएन अरुण-3 पावर डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एसएपीडीसी) के माध्यम नेपाल के संखुवासभा ज़िले में विकसित कर रहा है। कमीशनिंग पर यह परियोजना 900 मेगावाट क्लीन एनर्जी उत्पादित करेगी और इससे देश की बढ़ती विद्युत की मांग को पूरा करने में अहम भूमिका निभाने की संभावना है। एसएपीडीसी भारत और नेपाल के मध्य एक महत्वपूर्ण कोलेबोरेशन है और इसका उद्देश्य अरुण नदी बेसिन में स्थायी जलविद्युत उत्पादन के माध्यम से क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

जन कल्याण एवं सुशासन प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : संजय अवस्थी

ग्राम पंचायत घनागुघाट में 33.6 लाख रुपए के किए लोकार्पण

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की सरकार है और उनके अधिकारों तथा कल्याण की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। संजय अवस्थी आज यहां ग्राम पंचायत घनागुघाट के कलहारण में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बेसहारा बच्चों को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा के अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुखाश्रय सहायता कोष की स्थापना की है। इसके अंतर्गत सरकार इन बच्चों की शिक्षा सहित अन्य खर्च वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में शिक्षित बेरोज़गार युवाओं को स्वरोज़गार की दिशा में अग्रसर करने के लिए विभिन्न योजनाएं आरम्भ की गई हैं। सरकार द्वारा राजीव गांधी सौर ऊर्जा स्टार्ट-अप योजना तथा राजीव गांधी वन संवर्धन योजना बेरोज़गार युवाओं को स्वरोज़गार के अवसर प्रदान करने के लिए कार्यान्वित की जा रही है। उन्होंने लोगों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि अर्की विधानसभा क्षेत्र को आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए यथा सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जन सहभागिता से ही विकासात्मक कार्य पूर्ण होते हैं तथा युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए हमें एकजुटता से कार्य करना होगा। संजय अवस्थी ने इससे पूर्व 14 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घनागुघाट के परीक्षा भवन तथा 3.50 लाख रुपए की लागत से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घनागुघाट में नवनिर्मित मंच, 9.60 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित दो मंजिला महिला मंडल भवन कलाहरण, 3.50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित महिला मंडल भवन घनागुघाट तथा 03 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित महिला मंडल भवन ताल का लोकार्पण किया।

विधायक ने महिला मंडल भवन कलहारण के निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिए एक लाख रुपए, महिला मंडल को दरी व कुर्सियां क्रय करने के लिए 11 हज़ार रुपए, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घनागुघाट के स्कूल परिसर मैदान में रेलिंग लगाने के लिए 50 हजार रुपए, सुरक्षा दीवार के लिए 50 हजार रुपए, विद्यालय के प्रांगण में टाइल्स लगाने के लिए 02 लाख रुपए और महिला मंडल कुनी के भवन निर्माण के लिए 02 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने घणागुघाट-छिब्बर संपर्क मार्ग का टेंडर तथा कलाहरण सड़क को शीघ्र पक्का करने का आश्वासन भी दिया।

विधायक ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनी और इनके शीघ्र निपटारे के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए।इस अवसर पर ज़िला विपणन एवं उपभोक्ता संघ के निदेशक सुरेंद्र सिंह, ग्राम पंचायत घनागुघाट की प्रधान मधुबाला, ग्राम पंचायत घनागुघाट के उप प्रधान प्रवीण, वरिष्ठ कांग्रेसी सतीश कश्यप, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय पाठक, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता कृष्णकांत चौहान, बाघल लैंड लूजर समिति के अध्यक्ष जगदीश ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पैंशनरों के लंबित चिकित्सा बिलों की अदायगी एक माह के भीतर होगी: मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पैंशनरों के सभी लंबित चिकित्सा बिलों की अदायगी आगामी एक माह के भीतर पूर्ण कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा आज यहां हिमाचल प्रदेश पैंशनर संयुक्त फ्रंट के प्रतिनिधिमंडल को सम्बोधित करते हुए की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के कर्मचारियों एवं पैंशनरों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी सरकार की रीढ़ की तरह कार्य करते हैं और उनकी समस्याओं और मांगों का उचित समाधान करना प्रदेश सरकार का दायित्व है। सेवानिवृत्ति के उपरान्त कर्मचारी अपने सामाजिक सरोकारों का बिना किसी बाधा के निर्वहन सुनिश्चित कर सकें, इसलिए प्रदेश सरकार ने सत्ता में आने के बाद ओपीएस बहाल की। इससे प्रदेश के 1 लाख 36 हजार कर्मचारी लाभावित हुए हैं। श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार पैंशनरों की मांगों का समाधान सुनिश्चित कर रही है और उनकी विभिन्न देनदारियों की अदायगी भी समय-समय पर की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार संसाधनों के सृजन के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन भी सुनिश्चित कर रही है। पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान वित्तीय कुप्रबन्धन से प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर विपरीत प्रभाव पड़ा और कर्मचारियों और पैंशनरों की देनदारियों की अदायगी भी समय सीमा में पूर्ण नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कर्मचारियों और पैंशनरों की सभी देनदारियां प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है। हिमाचल प्रदेश पैंशनर संयुक्त फ्रंट के अध्यक्ष आत्मा राम शर्मा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और अपनी विभिन्न मांगों से अवगत करवाया।

25 दिसम्बर को होगी धर्मशाला मैराथन, देश-विदेश के धावक लेंगे भाग: जफर इकबाल

धर्मशाला। नगर निगम धर्मशाला एवं जिला प्रशासन धर्मशाला द्वारा बिगफुट एडवेंचर इंडिया के सहयोग से धर्मशाला मैराथन-2025 का आयोजन 25 दिसंबर को भव्य रूप से किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश से हजारों धावकों के शामिल होने की उम्मीद है। यह जानकारी आयुक्त नगर निगम जफर इकबाल ने मैराथन के आयोजन के सम्बन्ध में जिला अधिकारियों के साथ नगर निगम के समृद्धि भवन में आयोजित बैठक के दौरान दी। उन्होंने कहा कि यह मैराथन केवल एक खेल कार्यक्रम नहीं बल्कि धर्मशाला को खेल पर्यटन का प्रमुख गंतव्य बनाने की दिशा में यह आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इवेंट की शुरुआत साईं एथलेटिक मैदान से होगी। इसमें 3 किलोमीटर, 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, हाफ मैराथन और फुल मैराथन की श्रेणियां होगी। उन्होंने कहा कि धावकों को इवेंट टी-शर्ट, फिनिशर मेडल, हाइड्रेशन सपोर्ट इत्यादि सुविधायें उपलब्ध करवाई जायेंगी। उन्होंने बताया कि 3 से 5 किलोमीटर के स्कूली और कॉलेज धावकों को पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट जबकि 10 और इससे अधिक किलोमीटर

के स्कूली और कॉलेज धावकों को पंजीकरण शुल्क में 50 प्रतिशत छूट दी जायेगी।उन्होंने आम जनता से आग्रह किया कि इस आयोजन में सक्रिय सहयोग कर इसे धर्मशाला की पहचान बनाने में योगदान दें। जफर इकबाल ने कहा कि हमारा प्रयास है कि धावकों को विश्वस्तरीय अनुभव मिले। उन्होंने बताया कि मैराथन साई स्टेडियम से शुरू होकर चरान-दाड़ी-रक्कड़-खनियारा-कोतवाली बाजार-चीलगाड़ी होते हुऐ यह मैराथन साई स्टेडियम में ही समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि मैराथन में स्कूली और कॉलेज तथा विभिन्न संस्थानों के बच्चों सहित पुलिस, भारतीय सेना के जवान सहित आमजन भी भाग लेंगे। बैठक में मार्ग प्रबंधन, मेडिकल सपोर्ट, पुलिस प्रबन्धन, होटल एसोसिएशन सहित विभिन्न एनजीओ के सहयोग इत्यादि सहित अन्य तैयारियों पर चर्चा की गई।

आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
Tel. No. 01799-221023, e-mail ee-raj-hp@nic.in

e-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The **Executive Engineer HPPWD Rajgarh Distt Sirmour H.P** on behalf of Governor of H.P invites percentage rate, bids, in electronic tendering system, from the eligible class of contractor/Firms registered with HPPWD for the works as detailed in the tables.

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs)	Starting date for downloading Bid	Earnest money	Deadline for submission bid
1	Restoration of rain damages on Solan Meenus road Km 24/345 to 61/0 (SH:- Providing and laying patch work at various RDs in Km 45/0 to 50/0 and 55/0 to 61/0 using MSS). Under DC deposit.	4,96,514/-	09.12.2025	10,000/-	16.12.2025
2	Restoration of rain damages on Chailla Neripul Yashwant Nagar Kumarhatti road Km 45/0 to 62/0 (SH:- Providing and laying patch work at various RDs in Km 48/0 to 52/0 using MSS). Under DC deposit SDRF.	4,98,313/-	09.12.2025	10,000/-	16.12.2025
3	Restoration of rain damages on Chailla Neripul Yashwant Nagar Kumarhatti road Km 45/0 to 62/0 (SH:- Providing and laying patch work at various RDs in Km 45/0 to 48/0 using MSS). Under DC deposit SDRF.	4,99,037/-	09.12.2025	10,000/-	16.12.2025
4	Restoration rain damages on Solan Meenus road Km 24/345 to 61/0(SH:- Construction of 2.00 X 2.00 metres Box cell culvert at Km 37/250). Under balance amount PDNA.	18,49,463/-	09.12.2025	37,000/-	16.12.2025
5	Restoration rain damages on Solan Meenus road Km 24/345 to 61/0(SH:- Construction of 3.00 X 3.00 metres Box cell culvert at Km 33/170). Under balance amount PDNA.	23,16,099/-	09.12.2025	46,500/-	16.12.2025
6	Restoration rain damages on Link road to village Thanadhar Km 0/0 to 5/205 (SH:- Construction of PCC B/wall between km 1/190 to 1/250). Under blance amount PDNA .	8,82,479/-	09.12.2025	18,000/-	16.12.2025
7	Restoration rain damages on Churwadhar Gadol Pirag road Km 0/0 to 10/750/(SH:- Construction of 2.00 X 2.00 metres Box cell culvert at Km 9/200). Under balance amount PDNA.	14,91,238/-	09.12.2025	30,000/-	16.12.2025
8	Restoration of rain damages on Solan Meenus road Km 24/345 to 61/0 (SH:- Construction of U-shape drain with drain covers between Km 37/250 to 37/550). Under balance amount PDNA.	6,73,746/-	09.12.2025	13,500/-	16.12.2025
9	Construction of Sub-Tehsil office building at Nohari District Sirmour H.P. (SH:- Providing and fixing M.S. Grill).	5,13,022/-	09.12.2025	10,500/-	16.12.2025
10	Construction of Ambulance road Manwa to Shadog Road km 0/00 to 2/680 (SH:- Formation cutting at Rd 1/735 to 2/105).	2,84,662/-	09.12.2025	6000/-	16.12.2025

The Bidders are advised to note other details for tenders from the department website **www.hptenders.gov.in**.

Executive Engineer
HPPWD Division Rajgarh
Distt Sirmour HP
on behalf of Governor of Himachal Pradesh

R.No.4943/2025-2026

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

'युद्ध नशों विरुद्ध': 282वें दिन पंजाब पुलिस ने 6.7 किलो हेरोइन सहित 89 नशा तस्करों को दबोचा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशों का पूरी तरह सफाया करने हेतु शुरू की गई आक्रामक मुहिम "युद्ध नशों विरुद्ध" को 282वें दिन भी जारी रखते हुए, पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में 298 स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान 70 एफआईआर दर्ज कर 89 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 282 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 39,711 हो गई है।

- **'डी-एडिक्शन' पहल के तहत पंजाब पुलिस ने 27 व्यक्तियों को नशामुक्ति व पुनर्वास उपचार के लिए किया तैयार**

इन छापों के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से 6.7 किलो हेरोइन, 350 ग्राम अफीम, 2382 नशीली गोलियां और 5080 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। राज्य सरकार ने नशों के खिलाफ इस जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5-सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

इस ऑपरेशन में 63 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 900 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से अधिक टीमें राज्यभर में 298 छापेमारी अभियानों में शामिल रहीं। दिनभर चलाए गए इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 311 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की।

राज्य सरकार ने नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति — एन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रीवेंशन (ई डी पी) — लागू की है। इसी क्रम में 'डी-एडिक्शन' पहल के तहत पंजाब पुलिस ने आज 27 व्यक्तियों को नशामुक्ति एवं पुनर्वास उपचार कराने के लिए तैयार किया है।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने लाला लाजपत राय म्यूज़ियम का किया उद्घाटन

कहा, युवाओं को महान स्वतंत्रता सेनानी के जीवन, आदर्शों एवं स्वतंत्रता संग्राम में दिए योगदान की जानकारी मिलेगी

- **छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए रचनात्मक व सृजनात्मक गतिविधियों में जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया**

हिन्द जनपथ

जालंधर (ब्यूरो)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज यहां गुलाब देवी मेमोरियल अस्पताल परिसर में लाला लाजपत राय म्यूज़ियम का उद्घाटन करते हुए महान स्वतंत्रता सेनानी द्वारा देश के स्वतंत्रता संग्राम में दिए अमूल्य योगदान को याद किया।

श्री कटारिया ने लाला लाजपत राय जी से जुड़ी इस संस्था को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि म्यूज़ियम की स्थापना एक प्रशंसनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल नई पीढ़ी को इस महान स्वतंत्रता सेनानी के जीवन, आदर्शों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के बारे में जानने का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें अपने इतिहास से जुड़ने और देश की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा भी प्राप्त होगी।

संग्रहालय में लाला लाजपत राय जी के जीवन से जुड़ी विभिन्न तस्वीरें, दस्तावेज आदि रखे गए है, जो उनके संघर्ष और प्रेरणादायक जीवन की झलक प्रस्तुत करते है।

उद्घाटन से पहले पंजाब के राज्यपाल ने लाला लाजपत राय जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इसके बाद श्री कटारिया ने लाला लाजपत राय इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन में छात्र-छात्राओं से रू-ब-रू होते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए खुद को रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों में संलग्न रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को हमेशा स्वस्थ, खुश और सकारात्मक रहने के लिए उत्साहित किया।

इस मौके पर उनके साथ प्रधान सचिव राज्यपाल विवेक प्रताप सिंह, एस.डी.एम. रणदीप सिंह हीर, गुलाब देवी ट्रस्ट के सचिव डा. राजेश पसरीचा, ट्रस्ट की सी.ई.ओ. डा. उर्वशी अरोड़ा, ट्रस्टी कुमार राजन, ट्रस्ट के कार्यकारी सदस्य दीपक चुग , डा. इंदरपाल सिंह, डायरेक्टर ऑफ कॉलेजेज शिव मोदगिल आदि भी उपस्थित थे।

आई.एन.एस. कोच्चि मॉडल के उद्घाटन के साथ एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. में ट्राई–सर्विसेज मिलिट्री हेरिटेज डिस्प्ले हुआ पूर्ण

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ट्राई–सर्विसेज मिलिट्री डिस्प्ले के समापन समारोह को दर्शाते ऐतिहासिक कार्यक्रम में, भारतीय नौसेना के प्रमुख कोलकाता-क्लास स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर आई.एन.एस. कोच्चि (डी64) के स्केल-डाउन मॉडल का उद्घाटन महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट (एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई.) में किया गया। भारतीय नौसेना द्वारा नौसेना दिवस-2025 पर प्रस्तुत किए गए इस मॉडल का उद्घाटन वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन, ए.वी.एस.एम., एन.एम., वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ द्वारा किया गया।

- **नौसेना स्टाफ के वाइस चीफ, वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. में स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर आई.एन.एस. कोच्चि के स्केल-डाउन मॉडल का किया उद्घाटन**

इस जहाज मॉडल की स्थापना के साथ एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. परिसर अब तीनों सैन्य सेवाओं के प्रमुख उपकरणों का केंद्र बन गया है, जिससे युवा कैडेटों को प्रेरणा देने के लिए एक समग्र और अनुकूल वातावरण उपलब्ध होगा। संस्थान का गौरवपूर्ण इतिहास यह भी है कि इसके 22 पूर्व कैडेट भारतीय नौसेना में कमीशंड अधिकारी के रूप में सेवाएँ दे रहे हैं, जिनमें से दो कैडेट हाल ही में एजिमाला स्थित भारतीय नौसेना अकादमी की पासिंग आउट परेड में शामिल हुए।

एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. के कैडेटों और शेमरॉक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने पंजाब की समुद्री विरासत का उल्लेख करते हुए पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह का उदाहरण देते हुए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा, समुद्री हितों की सुरक्षा और वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने में भारतीय नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया।

पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन से हुई बातचीत और वास्तविक सैन्य उपकरणों के बारे में मिली महत्वपूर्ण जानकारी कैडेटों में नेतृत्व, टीमवर्क और समस्या-समाधान जैसे आवश्यक कौशल विकसित करने में सहायक होगी। यह कार्यक्रम कैडेटों में अनुशासन, देशभक्ति और सेवा की भावना को भी मजबूत करेगा, जो उन्हें रक्षा सेवाओं सहित चुनौतीपूर्ण करियर के लिए तैयार करेगा। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार उन युवाओं को पूरा सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है जो सशस्त्र बलों में शामिल होने का सपना देखते हैं और उनके लिए आवश्यक संसाधन व अवसर सुनिश्चित किए जा रहे हैं। एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. के डायरेक्टर मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने इस बहुमूल्य योगदान के लिए वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारतीय नौसेना के लिए और अधिक योग्य अधिकारियों को तैयार करने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया, ताकि देश, राज्य और भारतीय नौसेना की प्रतिष्ठा बढ़ाई जा सके।

अमृतसर में, सीमा पार से चल रहे हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफ़ाश; एक नाबालिग सहित 6 व्यक्ति छह पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के उद्देश्य से चल रहे अभियान के तहत अमृतसर कमीशनरेट पुलिस ने पाकिस्तान द्वारा संचालित हथियार तस्करी मॉड्यूल के छह सदस्यों—जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है—को छह आधुनिक पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार कर इस गिरोह को निष्क्रिय कर दिया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोमवार को यहाँ दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गाँव कोटली वसावा सिंह (जिला तरनतारन) के रहने वाले गुरबीर सिंह उर्फ़ सोनू (28), गुरप्रीत सिंह उर्फ़ गोपा (32), खेम करन (तरनतारन) निवासी गोरका सिंह उर्फ़ गोरा, राजविंदर सिंह उर्फ़ राजू, बछीविंड (अमृतसर) निवासी जसपाल सिंह उर्फ़ जस (24) और सुल्तानपुर लोधी के रहने वाले 16 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। बरामद पिस्तौलों में पाँच .30 बोर पिस्तौल और एक 9 एमएम पीएक्स-5 पिस्तौल शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता लगा है कि उक्त आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित एक हैंडलर के सीधे संपर्क में थे, जो हथियारों की खेप प्राप्त करने और आगे सप्लाई करने के लिए जानकारी साझा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस संगठित गिरोह द्वारा हथियारों की ये खेप आगे माझा-दोआबा क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों को सप्लाई की जाती थीं।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने तथा खेप प्राप्त करने वालों और वित्तीय चैनलों की पहचान करने के लिए आगे जांच जारी है।

- **माझा और दोआबा क्षेत्रों में अपराधियों को नापाक गतिविधियाँ अंजाम देने के लिए हथियार सप्लाई करता था मॉड्यूल : डीजीपी गौरव यादव**
- **कपूरथला ज़िले के दो और व्यक्तियों की हुई पहचान, जिन्हें पकड़ने के लिए पुलिस टीमें कर रही हैं छापेमारी : सीपी अमृतसर गुरप्रीत भुल्लर**

अमृतसर के पुलिस कमिश्नर (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पहली सफलता उस समय मिली जब पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में संदिग्ध गुरबीर उर्फ़ सोनू और गुरप्रीत उर्फ़ गोपा को दो .30 बोर पिस्तौलों सहित गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान पूरा नेटवर्क सामने आ गया और इसके बाद की गई छापेमारियों में उनके साथी — गोरका उर्फ़ गोरा को एक .30 बोर पिस्तौल सहित, जसपाल उर्फ़ जस को एक .30 बोर पिस्तौल सहित और राजविंदर उर्फ़ राजू को एक 9 एमएम पीएक्स-5 पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आगे बताया कि इस दौरान एक नाबालिग साथी को भी एक .30 बोर पिस्तौल सहित हिरासत में लिया गया है। सीपी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों — गोरका उर्फ़ गोरा और राजविंदर उर्फ़ राजू — के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट, बलात्कार तथा पोक्सो एक्ट से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि कपूरथला ज़िले के दो व्यक्तियों की पहचान अवैध हथियार प्राप्त करने वालों के रूप में हुई है और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में, थाना छावनी अमृतसर में आर्म्स एक्ट की धारा 25(6,7,8) के तहत एफआईआर नंबर 260, दिनांक 30-11-2025 के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है।

ट्रैफिक पुलिस ने एस. बलदेव सिंह गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल, मजात्री में ड्रग्स न लेने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने पर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया

हिन्द जनपथ

खरड़ (साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर) (ब्यूरो)। SSP हरमनदीप सिंह हंस और SP (ट्रैफिक) नवनीत सिंह महल के नेतृत्व में जिला पुलिस द्वारा ड्रग्स के खिलाफ शुरू किए गए अभियान के तहत, DSP (ट्रैफिक) करनैल सिंह ने आज एस. बलदेव सिंह गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल, मजात्री (S.A.S. नगर) में स्टूडेंट्स को ड्रग्स न लेने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के बारे में जागरूक करने के लिए एक खास सेमिनार आयोजित किया।

इस सेमिनार का मुख्य मकसद स्टूडेंट्स को ड्रग्स के बुरे असर, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और स्पोर्ट्स खेलने की अहमियत के बारे में जागरूक करना था। इस सेमिनार के दौरान स्टूडेंट्स को जागरूक किया गया कि युवा स्टूडेंट्स को सड़क पर चलते समय अपनी स्पीड कंट्रोल करनी चाहिए, रेड लाइट क्रॉस नहीं करनी चाहिए, हेलमेट पहनना चाहिए, सीट बेल्ट बांधनी चाहिए, शराब पीकर गाड़ी नहीं चलानी चाहिए, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, वगैरह। उन्हें सड़क पर चलते समय नैतिकता और इंसानी मूल्यों को न भूलने की हिदायत दी गई और कहा गया कि हमें बिना किसी डर के तुरंत एम्बुलेंस को रास्ता देना चाहिए और सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करनी चाहिए।

इसके साथ ही स्टूडेंट्स को यह भी बताया गया कि अगर आप गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं, तो मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत पहली बार गलती करने पर 5,000 रुपये और दूसरी बार गलती करने पर 10,000 रुपये का जुर्माना और 6 महीने तक की जेल हो सकती है। इसके साथ ही 3 महीने के लिए लाइसेंस सस्पेंड कर दिया जाएगा।

इस मौके पर बलदेव सिंह गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट, मजात्री (एस.ए.एस. नगर) के इंचार्ज श्री श्रीमती नरिंदरपाल कौर, वोकेशनल टीचर सिमरनप्रीत सिंह और दूसरे स्टाफ ने इस अवेयरनेस सेमिनार को ऑर्गनाइज़ करने के लिए DSP (ट्रैफिक) को धन्यवाद दिया।

पति ने दिया धोखा: विदेश पहुंच पत्नी को ठुकराया, सास-ससुर ने मारपीट कर घर से निकाला, पूनम रानी ने मांगा इंसाफ

हलवारा (पंजाब) - आमतौर पर ऐसा होता था कि पंजाब से विदेश गई पत्नी पति को छोड़ देती थी, लेकिन इस बार मामला उल्टा हुआ है। लुधियाना के मंडी मुल्लांपुर से कनाडा गए पति ने पत्नी को ही ठुकरा दिया। इतना ही नहीं महिला को उसे सास-ससुर ने घर से निकाल दिया।

पंजाब से कनाडा गए पति ने पत्नी को ठुकरा दिया। लुधियाना के मंडी मुल्लांपुर की रहने वाली पूनम रानी ने पति के साथ विदेश जाने का सपना देखा और लाखों रुपये खर्च कर दिए लेकिन बदले में उसे धोखा मिला। पति के विदेश जाने के बाद सास-ससुर और अन्य लोगों ने उसे जाति के ताने दिए और मारपीट कर घर से निकाल दिया।

पूनम रानी की शिकायत पर दाखा पुलिस ने उसके पति जसकीरत सिंह सास रंजीत कौर और ससुर जतिंदरपाल सिंह के खिलाफ साजिश रच 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है, हालांकि पीड़ित ने जिला लुधियाना ग्रामीण पुलिस प्रमुख एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता को दी शिकायत में पति जसकीरत सिंह के चाचा बलजीत सिंह और चाची राजवंत कौर पर जाति प्रति अपशब्द बोलने और मारपीट करके घर से निकालने का आरोप लगाया है लेकिन दाखा पुलिस ने अभी पति और सास ससुर के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज किया है।

मुकदमे के जांच अधिकारी नरिंदर कुमार ने बताया कि जांच में अगर बलजीत सिंह और राजवंत कौर के खिलाफ आरोप सही पाए गए तो धारा में इजाफा करके उन्हें भी नामजद किया जाएगा। पीड़ित पूनम ने शिकायत में कहा कि 27 फरवरी 2024 को उसकी शादी जसकीरत सिंह के साथ हुई थी। वह मंडी मुल्लांपुर की रहने वाली है, जसकीरत और उसका परिवार पुरानी मंडी मुल्लांपुर में रहते थे। जसकीरत कनाडा जाना चाहता था और उसने 10 लाख रुपये की मांग की। पूनम के अनुसार उसके मायके परिवार ने जसकीरत को इस शर्त पर 10 लाख रुपये दिए कि वह उसे स्पाउस वीजा पर कनाडा साथ लेकर जाएगा।

जसकीरत का स्टडी वीजा लग जाने के बाद उसने साथ लेकर जाने से मना करते हुए कहा कि वहां जाकर उसे पक्का बुला लेगा। कनाडा पहुंचने के कुछ देर बाद जसकीरत सिंह ने फोन करना बंद कर दिया, फिर जसकीरत ने उसे फोन और व्हाट्स एप पर ब्लॉक कर दिया। इधर, सास-ससुर और जसकीरत के चाचा-चाची ने परेशान करना शुरू कर दिया और लगातार जाति प्रति अपशब्द भी कहते रहे। पूनम के अनुसार सितंबर में सास-ससुर और जसकीरत के चाचा-चाची ने मारपीट करके घर से निकाल दिया। कई बार पंचायत बिठाई और मित्रतें की लेकिन न ही आरोपियों ने रुपये लौटाए और न ही वह कनाडा जा सकी। तब उन्होंने पुलिस को शिकायत की।

वन विभाग ने राज्य में जंगलों और पेड़ों के क्षेत्र में वृद्धि हेतु 12 लाख से अधिक पौधे लगाए

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 'ग्रीनिंग पंजाब मिशन' के तहत राज्य में मौजूदा जंगलों और पेड़ों के क्षेत्र की सुरक्षा, विकास और विस्तार को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क की अगुवाई में वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग कोई भी कमी नहीं छोड़ रहा है। विभाग ने पंजाब में हरियाली बढ़ाने के प्रयासों के तहत राज्यभर में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पौधारोपण किया है।

कई नई पहलों के तहत 12,55,700 पौधे लगाए गए हैं। इनमें शहरी जंगलात के अंतर्गत लगाए गए 3,31,000 पौधे शामिल हैं, जिनमें संस्थागत भूमि पर पौधे लगाना और एग्रो फॉरेस्ट्री (लिंक सड़कों के साथ लगते खेतों में एक कतार में पौधे लगाना), 2,50,000 पॉपलर/ड्रेक तथा 3,00,000 सफेदा के पेड़ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कंटीली तार लगाकर पवित्र वनों का विकास करने और 'नानक बगीचियां' विकसित करने के तहत 20,800 पौधे लगाए गए हैं। साथ ही, औद्योगिक संस्थानों में 46,500 पौधे तथा स्कूलों में 1,44,500 पौधे लगाए गए हैं। इसके अलावा 1,62,900 लंबे पौधे भी लगाए गए हैं। पौधारोपण का उद्देश्य राज्य की सभी उपलब्ध भूमि पर अधिक से अधिक पौधे लगाकर अधिकाधिक क्षेत्र को हरियाली के अंतर्गत लाना, नर्सरियों का विस्तार करना, वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की पहलों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना, पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध करना, राज्य में वन जागरूकता पार्कों की स्थापना एवं रखरखाव करना तथा वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

पत्नी का हत्यारा गिरफ्तार: जालंधर पुलिस ने 12 घंटे में ढूंढ निकाला, मुन्ना ने बताया क्यों खेला खूनी खेल

जालंधर - पंजाब के जालंधर में पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दो बच्चों के साथ शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। इससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया।

जालंधर में प्रवासी महिला की हत्या कर पति फरार हो गया। हत्या कर फरार हुए पति को ग्रामीण पुलिस ने महज 12 घंटे में ढूंढ निकाला। एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क और सरबजीत राय (पुलिस अधीक्षक जांच) के निर्देशों पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। इस ऑपरेशन का नेतृत्व डीएसपी सुखपाल सिंह और एसएचओ बलविंदर सिंह भुल्लर ने किया। आरोपी की पहचान मुन्ना कांति (उम्र 30 वर्ष, निवासी बिहार) के तौर पर हुई है। आरोपी के दो बच्चे भी हैं, जिन्हें साथ लेकर वह फरार हो गया था। जालंधर के कोटली गजरा निवासी जरनैल सिंह ने खेतों में बने कमरे में एक महिला का शव पड़ा देखा। महिला की बेरहमी से हत्या की गई थी और उसका पति दो बच्चों के साथ मौके से फरार था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की। तेज कार्रवाई करते हुए शाहकोट पुलिस ने आरोपी मुन्ना कांति को गिरफ्तार कर लिया।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन': एक ही दिन में 768 ठिकानों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक', 17 कुख्यात समेत 137 गिरफ्तार, 26 इंटेलिजेंस रिपोर्ट साझा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस ने रविवार को राज्य भर में अपराध और नशा तस्करों के खिलाफ एक व्यापक और आक्रामक अभियान छेड़ते हुए 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। 7 दिसंबर 2025 को चलाए गए इस विशेष अभियान ने एक ही दिन में अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने राज्य भर में चिन्हित किए गए 768 ऐसे ठिकानों (हॉटस्पॉट्स) को खंगाला, जो आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात थे। सुबह से शाम तक चली इस कार्रवाई में पुलिस ने न केवल अपराधियों की धरपकड़ की, बल्कि भारी मात्रा में नशा और अवैध हथियार भी बरामद किए। इस अभियान में कॉम्बिंग के दौरान एक ही दिन में 112 अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाख़ों के पीछे भेज दिया गया। पुलिस ने जुआ, सट्टा और नशा तस्करी जैसे अवैध धंधों में संलिप्त लोगों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए कुल 81 नए मुकदमे दर्ज किए जिसमें 7 मुकदमें आर्म्स एक्ट के भी शामिल रहे। इसके अलावा, प्रदेश भर में गंभीर वारदातों को अंजाम देने वाले 17 खूंखार (हिंसक) अपराधी भी गिरफ्तार किए गए, जो अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहे थे। अतिरिक्त जानकारी देते हुए बताया कि आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 7 मामले दर्ज कर 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिससे संभावित हिंसक घटनाओं को टालने में बड़ी सफलता मिली है। इस तरह प्रदेश भर में पुलिस ने एक दिन में ही कुल 137 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल की सलाख़ों के पीछे भेजा है।

पुलिस ने की आर्थिक चोट :- 1,53,510 रुपये की नकदी, 5 दोपहिया वहां और 3 मोबाइल भी ज़ब्त।

इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने पर भी पूरा जोर दिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 4 देसी कट्टे, 4 देसी पिस्टल और कारतूस बरामद कर किसी बड़ी अनहोनी को टाल दिया। नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पुलिस ने भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए। बरामदगी के आंकड़ों पर नजर डालें तो पुलिस ने 65 बियर बोतल, 350 से अधिक बोतल अवैध शराब, 126 लीटर अवैध शराब, 96 लीटर लाहन, 1.44 किलो गांजा, 29.88 ग्राम हेरोइन, 7380 किलो चूरा पोस्त बरामद किया। इसके अलावा सट्टेबाजी और जुए के अड्डों से 1,53,510 रुपये की नकदी भी बरामद की गई, जो यह साबित करता है कि पुलिस ने अपराध के फंडिंग नेटवर्क पर भी करारी चोट की है । इसके अलावा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 दोपहिया वाहन और 3 मोबाइल फ़ोन भी ज़ब्त किये।

खाकी का मानवीय चेहरा और खुफिया तंत्र की मजबूती

एक तरफ जहां पुलिस अपराधियों के लिए काल बनी, वहीं दूसरी तरफ 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' ने खाकी के मानवीय पहलू को भी उजागर किया। गश्त और चेकिंग के दौरान पुलिस कर्मियों ने सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर मिले 709 जरूरतमंद और विपत्तिग्रस्त लोगों की सहायता की, जिससे जनता में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है । इस अभियान की सफलता के पीछे पुलिस का मजबूत खुफिया तंत्र भी रहा। हरियाणा पुलिस ने अपराध नियंत्रण में राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अन्य राज्यों के साथ 26 महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस इनपुट साझा किए, ताकि सीमा पार छिपे अपराधियों पर भी शिकंजा कसा जा सके । जिलावार कार्रवाई की बात करें तो सोनीपत पुलिस ने सबसे अधिक तत्परता दिखाते हुए 65 हॉटस्पॉट्स पर दबिश दी। वहीं सहायता पहुंचाने के मामले में गुरुग्राम पुलिस आगे रही जिसने 377 जरूरतमंदों की सहायता की । वहीं, रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने स्टेशनों और ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए 68 स्थानों को खंगाला और यात्रियों व जरूरतमंदों की मदद कर सुरक्षा का अहसास कराया । कुरुक्षेत्र में पुलिस ने 15 हॉटस्पॉट्स चेक किए और 10 मुकदमे दर्ज कर 11 अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की । सिरसा में भी पुलिस ने 47 संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर नशा तस्करों में खौफ पैदा कर दिया ।

पंचकूला पुलिस की ईआरवी का 'रैपिड रिस्पॉन्स': एक कॉल पर टला बड़ा हादसा, तो दूसरी तरफ पेश की सुरक्षा की मिसाल

पंचकूला पुलिस की 'डायल 112' इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल (ERV) सेवा शहरवासियों के लिए सच्चा साथी और रक्षक साबित हो रही है। पुलिस की मुस्तैदी और मानवीय संवेदना का एक ताजा उदाहरण रविवार को देखने को मिला, जब ईआरवी टीमों ने दो अलग-अलग घटनाओं में त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल 6 लोगों की जान बचाई, बल्कि देर रात सड़क पर फंसी दो युवतियों को सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाकर सुरक्षा का भरोसा भी दिलाया। रविवार को एक अफरा-तफरी वाले माहौल में ईआरवी 708 टीम को सूचना मिली कि पंचकूला के सेक्टर-17 स्थित एक रिहायशी इमारत की लिफ्ट अचानक खराब हो गई है, जिसमें छह लोग फंस गए हैं। लिफ्ट बंद होने से अंदर मौजूद लोगों की सांसें अटक गई थीं और घबराहट का माहौल था। सूचना मिलते ही ईआरवी 708 की टीम, जिसमें इंचार्ज शक्ति सिंह, होमगार्ड हरि सिंह और एसपीओ रामसिंह शामिल थे, बिना समय गंवाए मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने सूझबूझ और फुर्ती दिखाते हुए स्थानीय लोगों की सहायता से ऑपरेशन शुरू किया।

संपादकीय

बूथ अधिकारियों पर क्यों बढ़ा बोझ?

देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम का दबाव अब कुछ कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसा इसलिए, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने इन अधिकारियों के कामकाज के घंटों में कमी लाने के लिए राज्य सरकारों को अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश दिया है।दरअसल, पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारी साथ में अपनी सामान्य जिम्मेदारियों का भी निर्वहन कर रहे हैं और काम का बोझ बढ़ जाने के कारण उन्हें कई तरह की परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है। मगर सवाल है कि इस समस्या के समाधान के लिए आखिर शीर्ष अदालत को निर्देश क्यों जारी करने पड़े? निर्वाचन आयोग और राज्य सरकारों को इस मामले में अपनी जिम्मेदारी का एहसास क्यों नहीं हुआ?आए दिन बूथ स्तरीय अधिकारियों की मौत, आत्महत्या, स्वास्थ्य बिगड़ने या नौकरी छोड़ने की खबरें आ रही हैं। मगर न तो निर्वाचन आयोग और न ही राज्य सरकारों ने गंभीरता दिखाते हुए कोई प्रभावी कदम उठाने की जरूरत समझी।विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि निर्वाचन आयोग जल्दबाजी में इस कार्य को क्यों पूरा करना चाहता है। क्या आयोग को इस बात का भान नहीं था कि इतने कम समय में इस कार्य को पूरी पारदर्शिता और सटीकता के साथ संपन्न कराने में व्यावहारिक रूप से परेशानियां खड़ी हो सकती हैं।पुनरीक्षण में लगे कर्मी और विपक्षी दल कई दिनों से समय सीमा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इस पर निर्वाचन आयोग ने पहल तो की, लेकिन सिर्फ एक सप्ताह का ही समय बढ़ाया। शीर्ष अदालत को भी इस तरह का निर्देश जारी करने की जरूरत नहीं पड़ती। अब देखना यह है कि राज्य सरकारें किस स्तर पर अतिरिक्त कर्मियों की व्यवस्था कर पाती हैं, क्योंकि राज्यों के पास अपने सामान्य कामकाज को समय पर निपटाने की भी चुनौती है।

रक्षा खरीददार से रक्षा साझेदार बन गया भारत, रूस के साथ हुए समझौते पर दुनियाभर में बेचैनी

(नीरज कुमार दुबे)

भारत-रूस व्यापार में भारी असंतुलन (रूस से ऊर्जा आयात अधिक) को देखते हुए रूस ने भारतीय वस्तुओं को अधिक बाज़ार पहुँच देने पर सहमति जताई है। दोनों देशों का लक्ष्य है कि 2030 तक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुँचाया जाए।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने ऊर्जा, रक्षा, परमाणु सहयोग, आतंकवाद-रोधी रणनीति और आर्थिक साझेदारी जैसे अनेक क्षेत्रों में नई दिशा दी है। यह यात्रा उस समय हुई जब अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकऑइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे और भारत पर रूसी तेल आयात कम करने का दबाव बढ़ा रहा था। इस पृष्ठभूमि में पुतिन का संदेश स्पष्ट था कि रूस भारत के लिए ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत बना हुआ है और बना रहेगा।

हम आपको बता दें कि पीएम मोदी और पुतिन की संयुक्त प्रेस वार्ता में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस भारत की तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था को आवश्यक तेल, गैस और कोयले की निरंतर आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और गैस भंडार वाला देश है और पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि पारंपरिक ऊर्जा से आगे बढ़कर दोनों देश परमाणु ऊर्जा में भी सहयोग बढ़ाएँगे जिसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर, फ्लोटिंग न्यूक्लियर प्लांट तथा चिकित्सा एवं कृषि क्षेत्र में परमाणु तकनीकों का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारत और रूस ने कुडनकुलम परमाणु परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और भारत में एक दूसरे परमाणु संयंत्र स्थल पर चर्चा आगे बढ़ाई। यह भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में निर्णायक योगदान देगा।

इसके अलावा, इस यात्रा की सबसे रणनीतिक उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में संयुक्त निर्माण को बढ़ावा देना रही। रूस ने भारत में ही अपने हथियारों और सैन्य प्लेटफॉर्म्स के स्पेयर पार्ट्स और उपकरणों का उत्पादन करने पर सहमति दी। दोनों पक्षों ने उन्नत रक्षा प्रणाली के संयुक्त सह-विकास और सह-उत्पादन को पुनर्जीवित करने का निर्णय भी लिया। भारतीय सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए संयुक्त उद्यमों से तीसरे देशों को निर्यात की संभावना भी टटोली गई। हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब रूस ने स्पष्ट रूप से मैक इन इंडिया के तहत अपने रक्षा परिवेश को भारत में शिफ्ट करने की दिशा में ठोस प्रतिबद्धता जताई है। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र बलों की यह लंबे समय से शिकायत रही है कि रूस से महत्वपूर्ण पुर्जों और उपकरणों की आपूर्ति में काफी समय लगता है, जिससे देश से खरीदी गई सैन्य प्रणालियों का रखरखाव प्रभावित होता है। इस संबंध में भारत और रूस द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''दोनों पक्ष प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम के तहत रूसी हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए पुर्जों, घटकों और अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त विनिर्माण को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए।'' संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, दोनों पक्ष भारतीय सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने तथा पारस्परिक रूप से मित्रवत तीसरे देशों को निर्यात करने पर भी सहमत हुए। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि भारत-रूस रक्षा साझेदारी को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए पुनः शुरू किया जा रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में भारतीय पक्ष ने अपनी युद्धक क्षमता को बढ़ाने के लिए रूस से एस-400 मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त खेपों की खरीद में गहरी रुचि दिखाई।

इसके अलावा, भारत-रूस व्यापार में भारी असंतुलन (रूस से ऊर्जा आयात अधिक) को देखते हुए रूस ने भारतीय वस्तुओं को अधिक बाज़ार पहुँच देने पर सहमति जताई है। दोनों देशों का लक्ष्य है कि 2030 तक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुँचाया जाए। साथ ही आईएनएसटीसी कॉरिडोर जैसे वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी प्रगति का संकेत मिला।

साथ ही दोनों देशों ने पहलगाम और मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में हुए हमलों का संदर्भ लेते हुए आईएसआईएस, आईएसकेपी और अन्य वैश्विक आतंकी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ''ज़ीरो टॉलरेंस'' नीति और ''दोहरे मानदंडों को अस्वीकार'' करने पर जोर दिया गया।

इसके अलावा, पुतिन ने भारत-रूस मैत्री को ''साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे'' जैसे भारतीय कथन से अभिव्यक्ति दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से दिये गये राजकीय भोज में भारतीय-रूसी संगीत और विविध व्यंजनों ने सांस्कृतिक जुड़ाव को भी प्रकट किया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई कश्मीरी केसर, असम की चाय और गीता जैसी भेंटें इस साझेदारी की भावनात्मक गहराई को दर्शाती हैं। देखा जाये तो रूसी राष्ट्रपति की यह यात्रा दर्शाती है कि भारत अब केवल हथियार खरीदने वाला नहीं बल्कि सह-निर्माण और सह-विकास करने वाला रणनीतिक साझेदार बन चुका है। इसके तीन प्रमुख पहलू विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण हैं। पहला है रक्षा सहयोग का बदलता स्वरूप। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध से लेकर 2010 तक भारत-रूस रक्षा संबंध मुख्यतः उपकरण खरीद तक सीमित थे। इससे दो समस्याएँ जन्म लेती थीं। पहली थी स्पेयर पार्ट्स की देर से आपूर्ति और दूसरी थी तकनीकी निर्भरता। इस यात्रा के दौरान पुतिन का यह कहना कि रूस का यह मानना है कि महत्वपूर्ण पुर्जों का उत्पादन भारत में ही होना चाहिए, दोनों देशों के संबंधों में संरचनात्मक बदलाव की घोषणा है। इस बदलाव का अर्थ है लॉजिस्टिक स्वतंत्रता, 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य की वास्तविक प्रगति और भारत का रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में नया कदम। देखा जाये तो रूस का यह झुकाव केवल राजनीतिक सद्भाव का परिणाम नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक भू-राजनीति की जरूरत भी है। रूस को पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भरोसेमंद बाजार चाहिए, वहीं भारत को ऐसी महाशक्ति सहयोगी चाहिए जिसकी तकनीक और रणनीतिक लचीलेपन से उसकी सामरिक क्षमता में वृद्धि हो। इसके अलावा, भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी रक्षा। अमेरिका के दबाव के बीच रूस द्वारा निरंतर आपूर्ति का आश्वासन देने का संदेश स्पष्ट है कि भारत अपनी ऊर्जा नीति में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एमएमआर और फ्लोटिंग प्लांट जैसी भविष्य की तकनीकों पर बातचीत दर्शाती है कि दोनों देश परंपरागत साझेदारी को हाई-टेक सहयोग में बदल रहे हैं। आईएनएसटीसी जैसे वैकल्पिक व्यापार मार्ग वैश्विक शक्ति-प्रतिस्पर्धा के युग में भारत को एक स्थलीय-समुद्री संतुलन प्रदान करेंगे। पुतिन की भारत यात्रा के वैश्विक प्रभावों को देखें तो सामने आता है कि यह केवल दो देशों की साझेदारी का कार्यक्रम नहीं, बल्कि विश्व राजनीति का संकेत भी है। जब अमेरिका रूस पर प्रतिबंध बढ़ा रहा है और चीन आक्रामक उभार पर है, तब भारत-रूस समीकरण एक स्थिर धुरी की तरह उभर रहा है। ब्रिक्स में 2026 में भारत की अध्यक्षता के साथ यह साझेदारी वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर नए संतुलन बना सकती है। साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया है कि भारत अब वह देश नहीं रहा जो केवल एसओ -30, मिग या टैंक आयात करे, अब वह निर्माण, सह-विकास और निर्यात की दिशा में बढ़ रहा है। रूस द्वारा पहली बार तीसरे देशों को संयुक्त निर्यात का प्रस्ताव इस परिवर्तन की पुष्टि करता है। इससे भारत के रक्षा उद्योग का विस्तार होगा, रोजगार और तकनीकी क्षमता बढ़ेगी और भारत एक 'टेक्नोलॉजी टेकर' से 'टेक्नोलॉजी पार्टनर' बनेगा। बहरहाल, पुतिन की यह यात्रा भारत-रूस रिश्तों के तीसरे युग की शुरुआत है, जहाँ रक्षा, ऊर्जा, परमाणु, आतंकवाद-रोधी सहयोग और व्यापार, सब एक संयुक्त उत्पादन-निर्माण मॉडल में बंध रहे हैं। वैश्विक शक्ति संतुलन के दौर में यह साझेदारी भारत को रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी उन्नयन और बहुध्रुवीय विश्व में प्रभाव बढ़ाने में सक्षम बनाती है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सर्दियों में ब्लड शुगर क्यों बढ़ने लगता है? जान लें इसके पीछे की वजह

(शिखर बरनवाल)

सर्दियों का मौसम डायबिटीज के मरीजों के लिए अक्सर एक बड़ी चुनौती लेकर आता है, क्योंकि इस दौरान उनका ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है। यह केवल खानपान की आदतों के कारण नहीं होता, बल्कि इसके पीछे कई जटिल शारीरिक और जीवनशैली से जुड़े कारण होते हैं। पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण है शारीरिक गतिविधि में कमी। ठंडे मौसम के कारण लोग घर के अंदर अधिक समय बिताते हैं और उनकी रोजाना की कसरत कम हो जाती है।

जब शरीर निष्क्रिय होता है, तो मांसपेशियां रक्त से ग्लूकोज को अवशोषित नहीं कर पाती, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। दूसरा प्रमुख कारण है ठंड के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया। शरीर खुद को गर्म रखने के लिए तनाव हार्मोन जैसे कोर्टिसोल और एड्रेनालिन का उत्पादन बढ़ाता है। ये हार्मोन ग्लूकोज के उत्पादन को उत्तेजित करते हैं, जिससे इंसुलिन की संवेदनशीलता कम हो जाती है और शुगर लेवल बढ़ जाता है। इन शारीरिक और व्यवहारिक बदलावों को समझना सर्दियों में डायबिटीज को नियंत्रित करने की पहली कुंजी है।

आहार और कार्बोहाइड्रेट का सेवन

सर्दियों में अक्सर लोग गरमागरम और आरामदायक खाद्य पदार्थ जैसे पकौड़े, मीठी चाय, गाजर का हलवा या अन्य हाई कार्बोहाइड्रेट और फैटी भोजन का सेवन अधिक करते हैं। ये खाद्य पदार्थ तेजी से पचते हैं और ब्लड शुगर लेवल में अचानक उछाल लाते हैं। इसके विपरीत गर्मियों में हल्के फल और सलाद का सेवन अधिक होता है। इस मौसमी आहार परिवर्तन से ब्लड शुगर को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है।

डिहाइड्रेशन और रक्त का गाढ़ापन

सर्दियों में प्यास कम लगती है, जिससे लोग अक्सर पानी कम पीते हैं और शरीर में डिहाइड्रेशन होने लगता है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो खून अधिक गाढ़ा हो जाता है। इसकी वजह से खून में ग्लूकोज की सांद्रता बढ़ जाती है, जिससे शुगर लेवल बढ़ा हुआ दिखाई देता है। पर्याप्त पानी पीना इस समस्या से बचने का एक सरल तरीका है।

इंसुलिन संवेदनशीलता में बदलाव

ठंड के कारण शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव जैसे कोर्टिसोल का बढ़ने के कारण कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं। इसका मतलब है कि शरीर में इंसुलिन मौजूद होने के बावजूद, यह ग्लूकोज को कोशिकाओं में प्रभावी ढंग से प्रवेश नहीं करा पाता। इस इंसुलिन प्रतिरोध के कारण भी शुगर का लेवल ऊपर चला जाता है।

मौसमी संक्रमण

ठंड के मौसम में जुकाम, फ्लू और अन्य वायरल संक्रमण आम हो जाते हैं। जब शरीर किसी संक्रमण से लड़ रहा होता है, तो तनाव हार्मोन और साइटोकिन्स का स्राव बढ़ जाता है। ये दोनों चीजें शुगर लेवल को बढ़ा देती हैं।

बचाव के उपाय

सर्दियों में बढ़ते ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के लिए आपको कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। सबसे पहले शारीरिक गतिविधि को न छोड़ें। ठंड होने पर भी घर के अंदर योगा, ट्रेडमिल या हल्की-फुल्की वॉक जरूर करें। दूसरा हाइड्रेशन पर विशेष ध्यान दें, गुनगुना पानी, हर्बल टी, या मसालेदार छाछ पिएं। तीसरा, आहार में हाई कार्बोहाइड्रेट्स वाले आरामदायक भोजन और मीठे स्नैक्स को सीमित करें, और उनकी जगह सब्जियां और फाइबर युक्त भोजन बढ़ाएं। अंत में नियमित रूप से अपनी शुगर की जांच करें और मौसम में बदलाव के साथ दवा की खुराक या जीवनशैली में जरूरी बदलाव के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें। नोट-यह लेख मेडिकल रिपोर्टस से एकत्रित जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।

वर्ग पहेली 5937

संकेतः बाएं से दाएं
1. यह वह भारतीय राज्य है जहां केवल आठ महीने में पांच मुख्यमंत्री बदले गए थे (4)
4. विश्व टेबल-टेनिस चैम्पियनशिप का आयोजन पहली बार भारत में यहां किया गया (3)
7. श्रेष्ठ, बड़ा, अमिताभ बच्चन की तिहरी भूमिका वाली फिल्म (3)
8. खोज, जिज्ञासा, इच्छा (3)
9. अंग्रेजी के बारह महीनों में से एक (2)
11. न्यूज, खबर, सूचना (4)
13. सहस्त्रतय, दस सौ की संख्या (3)
16. निर्मित होना, रचा जाना (3)
17. कमल से उत्पन्न होने के कारण ब्रह्मा का एक नाम (4)
20. दुर्गा देवी का एक विग्रह (3)
22. उबलना, खलबलाना, अतिकुद्ध होना (3)
23. अवयव संधि, उंगली की गांठ या जोड़ जहां से वह मुड़ती है (2)
24. पुस्तक पठन आधार (3)

ऊपर से नीचे
1. एक ही धर्म को मानने वाले, सहधर्मी (6)
2. अपराध मुक्ति, कारावास मुक्ति, छुटकारा (3)
3. परिवहन, ट्रांसपोर्ट, वैहिकल (2)
4. प्रतीक्षक, इंतजार करने वाला (4)
5. संकटप्रद वस्तु, दक्ष प्रजापति की एक कन्या (2)
6. रसूल, पैगंबर, नबी (4)
10. एक प्रकार का श्वास रोग (2)
11. प्रशंसा आलेख, प्रशस्ति आलेख (4)
12. कुटिल, दांव-पेंच से अपना काम निकालने वाला (3)
14. जिसे जानकारी हो, परिज्ञाता, अनुभवी (4)
15. ध्यान विध्न, रोक, रूकावट (3)
18. हंसी-ठट्ठा, उपहास करने का भाव (3)
19. महोदय, श्रीमान, हजरत (3)
21. खीर को यह भी कहते है, आंगिरस (2)

वर्ग पहेली 5936 का हल

भा	र	त	■	■	लं	द	न
नु	मा	इ	श	■	ग	म	क
प्र	■	■	ता	जी	र	■	ब
ता	■	अ	नं	त	■	से	ज
प	द	■	द	ना	यु	■	न
■	या	त्रा	■	■	व	न	■
आ	वा	स	■	श	रा	र	त
शा	न	■	श	ल	ज	म	■

कुमाऊं हिमालय में दिखा हिम तेंदुआ, वैज्ञानिकों के लिए बड़ी हैरत की बात, क्या यह प्रकृति का संकेत?

(दिव्यांशी भदौरिया)

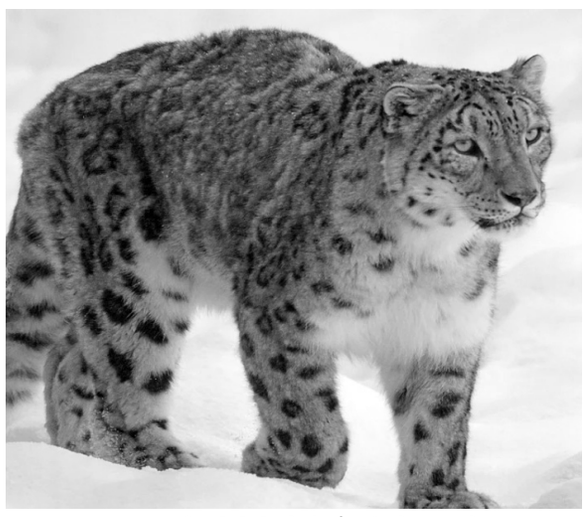

कुमाऊं हिमालय में शोधकर्ताओं को हिम तेंदुए की एक अत्यंत दुर्लभ तस्वीर कैमरे में कैद हुई है, जिसने वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया है। नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व में हिम तेंदुए की जनसंख्या और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर केंद्रित एक परियोजना के तहत यह अहम रिकॉर्ड दर्ज किया गया है, जो इस क्षेत्र में इस शीर्ष मांसाहारी प्रजाति के महत्व को रेखांकित करता है।

दरअसल, कुमाऊं हिमालय में हिम तेंदुआ जनसंख्या एवं एल्पाइन पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर केंद्रित एक महत्त्वपूर्ण परियोजना के दौरान शोधकर्ताओं ने वन्यजीव जगत के लिए अत्यंत दुर्लभ और आश्चर्यजनक रिकॉर्ड दर्ज किया है। उत्तराखंड सरकार के वन विभाग के द्वारा राष्ट्रीय हरित भारत मिशन द्वारा वित्तपोषित यह परियोजना, नंदा देवी बायोस्फियर रिजर्व के विशाल और कम अध्ययन किए गए पर्वतीय परिदृश्य में टॉप मांसाहारी प्रजातियों की जनसंख्या गतिकी और उनके पारिस्थितिक संबंधों को जानकारी देने के उद्देश्य से संचालिक किया गया है। यह परियोजना आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों जैसे कैमरा ट्रैपिंग, चिन्ह-सर्वेक्षण और आवास-उपयोग मॉडलिंग का उपयोग करके हिम तेंदुए, उसके शिकार प्रजातियों और अन्य मांसाहारियों की उपस्थिति तथा उनकी गतिविधियों के पैटर्न को समझने का प्रयास कर रही है। शोध दल यह भी जांच कर रहा है कि पशुधन चराई, गैर-काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण और जलवायु परिवर्तन से वनस्पतियों में हो रहे बदलाव खाद्य-जाल और एल्पाइन पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता को किस प्रकार प्रभावित कर रहे हैं। इतना ही नहीं, व्यापक अध्ययन के दौरान सुंदरधुंगा घाटी में लगभग 3,010 मीटर की ऊंचाई पर बंगाल टाइगर का दुर्लभ और वैज्ञानिक रुप निगरानी में है। कैमरा ट्रैप में रिकॉर्ड हुई यह तस्वीर। बता दें कि, इस क्षेत्र से अब तक की सबसे पुष्ट उच्च-ऊंचाई उपस्थिति का प्रमाण है।

आज का राशिफल

मेष

आज मान-सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा बन रहा है। कोई खास डील फाइनल हो जाएगी। मंगलोत्सव में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

वृष

आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता प्राप्त होगी। स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम की वृद्धि होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। कार्यालय में भी आपके अनुकूल वातावरण बनेगा तथा आपके साथी आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन

आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वहीं करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी। अपने से सीनियर का सहयोग पाने का प्रयास करें।

कर्क

आज का दिन काफी क्रिएटिव रहने वाला है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम पूरे होते जाएंगे। घर-परिवार में महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे।

सिंह

आज का दिन काफी व्यस्त रखने वाला है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में दिन बीत सकता है। इसके साथ ही पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना आपके लिए अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। रात्रि का समय मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा।

कन्या

आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। घर-परिवार में किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा।

तुला

आज का दिन आपके लिए लाभकारी रहने वाला है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक

आज का दिन काफी मजबूत रहने वाला है। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अत : कार्यशील रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनंद उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी।

धनु

आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएंगे तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आस-पास है, उसे पहचानना आपके हाथ में है।

मकर

आज का दिन सामान्य रहने वाला है। भागीदारी में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को पूरा करने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें। कई प्रकार के काम एक साथ हाथ में आने से व्यग्रता बढ़ सकती है।

कुंभ

आज का दिन स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम में परिवर्तन से कुछ परेशानियां सामने आ सकती हैं। खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें।

मीन

आज का दिन लाभकारी रहने वाला है। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज फायदेमंद साबित होगा। परेशानियों को धैर्य और अपने व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

आयकर रिटर्न दाखिल करने, आधार को पैन से लिंक करने की अंतिम तिथियां

● 31 दिसंबर से पहले जरूर कर लें यह काम वरना होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर दाताओं के लिए दिसंबर का महीना कई जरूरी वित्तीय काम निपटाने का है। इस महीने विलंबित आयकर रिटर्न दाखिल करने, आधार को पैन से लिंक करने की अंतिम तिथियां हैं। यदि ये काम समय पर नहीं किए गए, तो विलंब शुल्क, ब्याज और मोटा जुर्माना पेनल्टी लग सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जिन लोगों ने अब तक ये काम नहीं निपटाएं हैं, यह उनके लिए आखिरी मौका है।

अगर किसी वजह से कोई करदाता तय समय में आयकर रिटर्न दाखिल नहीं कर पाया है तो उसके पास एक और मौका है। आयकर की धारा-139(4) के तहत विलंबित और संशोधित रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

1. विलंबित रिटर्न: यह विकल्प उनके लिए हैं, जो करदाता 15 सितंबर की तय समयसीमा में मूल आयकर रिटर्न दाखिल नहीं कर पाए थे। अब वे 31 दिसंबर 2025 तक इसे भर सकते हैं। इसके साथ अधिकतम 5,000 रुपये विलंब शुल्क लगेगा। हालांकि, पांच लाख रुपये से कम आय वालों के लिए शुल्क 1,000 रुपये और बकाया कर पर ब्याज लगेगा।

2. संशोधित रिटर्न: जिन करदातों ने तय समय पर रिटर्न दाखिल कर दी थी, लेकिन अब वो संशोधन या गलती सुधारना चाहते हैं, वे भी 31 दिसंबर तक अपडेटेड रिटर्न (आईटीआर-यू) दाखिल कर सकते हैं। अगर कोई कर देनदारी बनती है तो 25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त दंड लग सकता है।

2. टैक्स ऑडिट मामलों में 10 तक

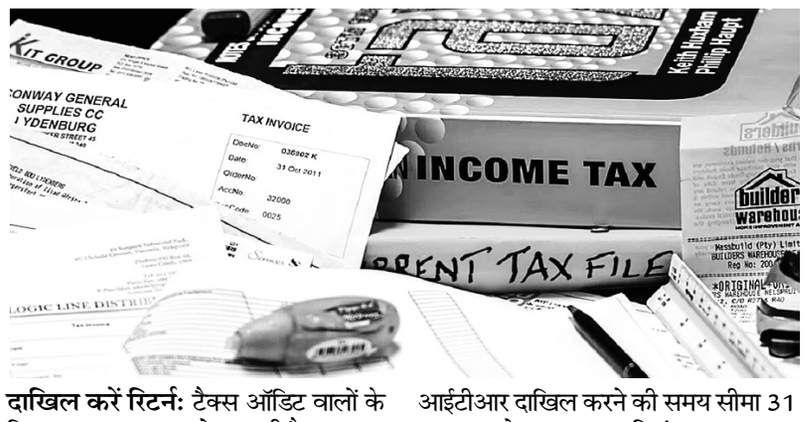

दाखिल करें रिटर्न: टैक्स ऑडिट वालों के लिए इस साल सरकार ने राहत दी है। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 10 दिसंबर 2025 कर दी है। यह राहत उन सभी करदाताओं के लिए राहत है, जिनकी रिटर्न में ऑडिट और वित्तीय विवरण शामिल हैं। उन्हें इस विस्तारित तिथि तक फाइलिंग पूरी करनी होगी।

3. आधार-पैन लिंकिंग का अंतिम मौकाः जिन व्यक्तियों का आधार 1 अक्टूबर 2024 या उससे पहले बना था, उनके लिए इसे पैन से लिंक करना अनिवार्य है। यह प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 तक पूरी करनी होगी। लिंक न करने पर पैन निष्क्रिय हो सकता है। इससे बैंकिंग और निवेश से जुड़े लेनदेन प्रभावित हो सकते हैं और आयकर रिटर्न दाखिल करने में दिक्कत हो सकती है। इस जोखिम से बचने के लिए तय तिथि से पहले आधार-पैन को लिंक कर लें।

सोने की उड़ान 2026 में भी जारी रह सकती है

● ब्रोक्रेज फर्म वेंचुरा ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है कि केंद्रीय बैंकों की खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी का दौर 2026 में भी थमता नहीं दिख रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि कीमती धातु अब एक और मजबूत ऊपरी रैली के लिए तैयार है। ब्रोक्रेज फर्म वेंचुरा ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है कि केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, बनी रहने वाली मुद्रास्फीति, अमेरिकी घाटे में बढ़ोतरी और अमेरिकी अर्थव्यवस्था व टैरिफ को लेकर चिंताओं से बना एक कॉकटेल सोने की कीमतों को आने वाले वर्ष में 4,600 से 4,800 के लक्षित सीमा में पहुंचा सकता है। नए साल 2026 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा 75 बीपीएस की दरों में कटौती की उम्मीद से बोलीदाताओं की दिलचस्पी बनी रहेगी। सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपय-डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 16 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है।

संस्थागत निवेशक बढ़ा रहे हैं दबावल्ल वेंचुरा ने जोर दिया कि सोने का तेजी का चक्र अभी खत्म होने से बहुत दूर है क्योंकि संस्थागत निवेशक मुद्रास्फीति से बचाव के लिए इसे तेजी से चुन रहे हैं, जिसके बाद खुदरा और सट्टेबाजी भागीदारी बढ़ रही है। फर्म का कहना है कि मांग की यह स्तरित प्रकृति सोने की लंबे समय के लिए रैली की नींव को मजबूत कर रही है।

ड्यूश बैंक और मॉर्गन स्टैनली का नजरिया

पिछले महीने ड्यूश बैंक ने निवेशकों के स्थिर फंड फ्लो और केंद्रीय बैंकों की निरंतर खरीदारी का हवाला देते हुए अपना 2026 के सोने की कीमत का पूर्वानुमान पहले के 4,000 से बढ़ाकर 4,450 प्रति औंस कर दिया। बैंक अब अगले साल सोने के 3,950 से 4,950 की सीमा में कारोबार करने की उम्मीद करता है। मॉर्गन स्टैनली ने एक पहली रिपोर्ट में भविष्यवाणी की थी कि एक धुंधली वैश्विक आर्थिक आउटलुक के बीच ईटीएफ की सॉलिड फिजिकल डिमांड और केंद्रीय बैंकों की चल रही खरीदारी से सपोर्ट पाकर सोना मध्य-2026 तक 4,500 प्रति औंस तक बढ़ सकता है।

निवेश पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी

एचडीएफसी सिक्योरिटीज का कहना है कि लगातार मुद्रास्फीति, वास्तविक ब्याज दरों के कम होने की उम्मीदों और फिएट मुद्राओं में विश्वास कमजोर होने के बीच सोने की निवेश अपील में काफी मजबूती आई है। ब्रोकरेज ने प्रमुख पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में भू-राजनीतिक संघर्ष, बाजार की अस्थिरता और खराब हो रही वित्तीय स्थितियों के खिलाफ बचाव के लिए सोने की क्षमता पर जोर दिया है।

बच्चों के लिए खिलौने बनाने वाली कंपनी का आईपीओ ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी। केवी टॉयज इंडिया आईपीओ आज से खुल गया है। कंपनी का आईपीओ 8 दिसंबर से 11 दिसंबर तक ओपन रहेगा। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ शानदार प्रदर्शन कर रहा है। आईपीओ आज ग्रे मार्केट में 80 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि शानदार स्थिति है। के वी टॉयज इंडिया आईपीओ का प्राइस बैंड 227 रुपये से 239 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। लेकिन रिटेल निवेशकों को कम से कम 2 लॉट पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 286800 रुपये का दांव लगाना होगा। के वी टॉयज इंडिया आईपीओ का साइज 40.15 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। निवेशकों को 17 लाख नए शेयर जारी करेगी। यानी मौजूदा निवेशकों आईपीओ में शेयरों की बिक्री नहीं करेंगे। बता दें, एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 5 दिसंबर 2025 को खुला था। के वी टॉयज इंडिया आईपीओ एंकर निवेशकों से 11.19 करोड़ रुपये जुटाया ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 80 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। आज का जीएमपी 33.47 प्रतिशत का फायदा दिखा रहा है। आज का जीएमपी दो लॉट पर 48000 रुपये का फायदा दिखा रहा है। ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति आज सबसे मजबूत है। इस आईपीओ का सबसे कम जीएमपी 24 रुपये का है। बच्चों को खिलौना बनाती है कंपनी इस कंपनी की स्थापना 2009 में हुई थी। कंपनी प्लास्टिक और मेटल आधारित बच्चों के लिए खिलौने बनाती है। कंपनी सॉफ्ट बुलेट गन, पुलबैक टॉय, बैटरी आधारित आदि खिलौना बनाती है।

कार सेफ्टी के लिए बढ़ी समग्र बीमा की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। रमेश ने जीएसटी रियायत का लाभ उठाकर नई कार खरीदी। जब बीमा लेने की बात आई, तब नियमों को पूरा करने के लिए, सिर्फ वही बीमा लिया, जो कानूनी रूप से अनिवार्य था-यानी सस्ता थर्ड पार्टी बीमा। एक दिन रमेश की कार आगे चल रही दूसरी कार से टकरा गई। दोनों कार को अच्छा-खासा नुकसान हुआ। रमेश की बीमा कंपनी ने दूसरी कार के नुकसान की भरपाई तो कर दी, लेकिन रमेश को अपनी कार की मरम्मत का खर्च खुद उठाना पड़ा। भारत में ज्यादातर कार मालिक वर्षों से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस लेते आए हैं, क्योंकि यह अनिवार्य और सस्ता है...लेकिन इसमें एक पेच है, यह केवल दूसरों को हुए नुकसान को ही कवर करता है, जिससे आपकी अपनी कार असुरक्षित रह जाती है।

आधार कार्ड को लेकर सरकार ला रही है नया नियम, अब नहीं रख सकते आधार की फोटोकॉपी

नई दिल्ली, एजेंसी। आधार कार्ड से जुड़ा नया नियम आ रहा है। सरकार जल्द ही ऐसा नियम लाने वाली है जिसमें होटल, इवेंट आयोजकों और ऐसी ही जगहों को आधार कार्ड की फिजिकल फोटोकॉपी लेना और अपने पास रखना पूरी तरह बंद करना होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह बदलाव इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पेपर पर आधार की कॉपी रखना निजता के लिए जोखिम बन जाता है और यह आधार कानून के खिलाफ भी है। यूआईडीएआई ने नए नियम को मंजूरी दे दी है और अब इसे जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। नए नियम के तहत अब कोई भी संस्था अगर ऑफलाइन आधार वेरिफिकेशन करना चाहती है, तो उसे यूआईडीएआई में पंजीकरण कराना होगा और डिजिटल तरीकों से ही सत्यापन करना होगा। यूआईडीएआईप्रमुख भूवनेश कुमार ने बताया कि सभी संस्थाओं को अब एक सुरक्षित एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस के जरिए क्यूआर कोड और ऐप-आधारित वेरिफिकेशन का ही इस्तेमाल करना होगा। यानी होटल, इवेंट आयोजन स्थल या अन्य जगहों पर अब फिजिकल आधार कॉपी देने की जरूरत खत्म हो जाएगी। इस कदम का मकसद पेपर-बेस्ड वेरिफिकेशन को हतोत्साहित करना और आधार डेटा के दुरुपयोग की संभावना को कम करना है।

सुजलॉन के शेयर पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में ट्रेडिंग के दौरान सुजलॉन एनर्जी के शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी। दरअसल, कंपनी से जुड़े कुछ अपडेट हैं। यही वजह है कि सोमवार को शेयर में हलचल की उम्मीद है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को इस दिग्गज कंपनी के शेयर बंद हुए और बीएसई पर 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51.75 रुपये पर बंद हुए जबकि पिछली बार यह 50.85 रुपये पर बंद हुआ था। सुजलॉन के शेयर के 52 हफ्ते का हाई 74.30 रुपये है। शेयर के 52 हफ्ते का लो 46 रुपये है। हाल ही में सुजलॉन ने गुजरात राज्य कर अधिकारियों के एक आदेश की जानकारी दी। यह मामला सूजलॉन की पूरी

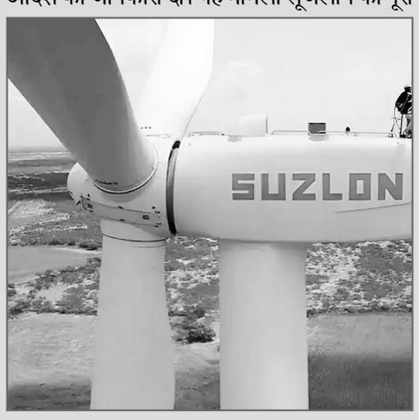

तरह स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सुजलॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड से जुड़ा था, जो अब मुख्य कंपनी में विलय हो चुकी है। कर अधिकारियों ने ई-वे बिल प्रावधानों के उल्लंघन को लेकर पहले भारी जुर्माना लगाया था। हालांकि कंपनी की अपील पर सुनवाई करते हुए गांधीडहम के डिप्टी कमिश्नर ऑफ स्टेट टैक्स (अपील) ने कंपनी की दलीलें स्वीकार कर लीं। अब जुर्माने की राशि घटाकर केवल 50,000 कर दी गई है।

सुजलॉन समूह के अधिकारी ने क्या कहा

सुजलॉन समूह के उपाध्यक्ष गिरीश तांती का अनुमान है कि सरकार 40 गीगावॉट से अधिक बिना कॉन्ट्रैक्ट वाली रिन्यूएबल एनर्जी कैपिसिटी को स्थिर और प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) विकल्प में परिवर्तित कर सकती है क्योंकि यह विकल्प साधारण सौर और पवन परियोजनाओं की तुलना में अधिक भरोसेमंद है। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार लगभग 45.34 गीगावॉट क्षमता के लिए विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) पर अब तक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। सरकार इन परियोजनाओं के लिए समाधान खोजने में सक्रिय है। निविदा के विजेता वितरण कंपनियों के साथ समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम

8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय पुत्र ब्रिगे. जे. चट्टोपाध्याय** के नाम से **(i) श्रीमती वंदना कुमार पत्नी श्री जैतिश कुमार (JAITISH KUMAR) एवं (ii) श्री जैतिश कुमार (JAITISH KUMAR) पुत्र श्री अत्तर चंद कुमार** के नाम मेंबिक्री विलेख के आधार पर मनीमाजरा, चंडीगढ़ में श्रेणी एचआईजी-II की ड्वेलिंग यूनिट सं. **5467-1** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि मनीमाजरा, चंडीगढ़ में श्रेणी एचआईजी-II की ड्वेलिंग यूनिट सं. **5467-1** आवंटी/हस्तांतरी **श्री सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय पुत्र ब्रिगे. जे. चट्टोपाध्याय** के नाम में दर्ज है। अब, **श्री सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय पुत्र ब्रिगे. जे. चट्टोपाध्याय** ने **07.11.2025** को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में पंजीकृत एवं निष्पादित बिक्री विलेख के तहत **(i) श्रीमती वंदना कुमार पत्नी श्री जैतिश कुमार (JAITISH KUMAR) एवं (ii) श्री जैतिश कुमार (JAITISH KUMAR) पुत्र श्री अत्तर चंद कुमार** को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट बेच दी है। **(i) श्रीमती वंदना कुमार पत्नी श्री जैतिश कुमार (JAITISH KUMAR) एवं (ii) श्री जैतिश कुमार (JAITISH KUMAR) पुत्र श्री अत्तर चंद कुमार** ने बिक्री विलेख के आधार पर अपने नाम में उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय में निवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम

8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

विषयः माननीय एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिवीजन), चंडीगढ़ द्वारा प्रमाणित और पंजीकृत वसीयत दिनांक 18.05.2017 के आधार पर श्री जरनैल सिंह पुत्र स्व. श्री मोहिंदर सिंह के नाम में सेक्टर 51-ए, चंडीगढ़ में श्रेणी-II की ड्वेलिंग यूनिट सं. 236-बी के पंजीकरण/आवंटन का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि श्री जरनैल सिंह पुत्र स्व. श्री मोहिंदर सिंह ने अपने नाम में सेक्टर 51-ए, चंडीगढ़ में श्रेणी-II की ड्वेलिंग यूनिट सं. 236-बी के हस्तांरतण हेतु आवेदन किया है और बताया है कि **आवंटी श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री गुरदेव सिंह** की 06.03.2011 **को महमदपुर, डेराबस्सी** में मृत्यु हो चुकी है और उसने अपने पीछे **एक पंजीकृत वसीयत छोड़ी है,** जो उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ द्वारा क्रम सं. **547** पर पंजीकृत थी।

श्री सचिन यादव, एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिवीजन), चंडीगढ़ के माननीय न्यायालय द्वारा प्रोबेट मामला सं. 39/2023 में वसीयत को प्रमाणित किया है और उक्त संपत्ति के संबंध में उक्त वसीयत का प्रोबेट श्री जरनैल सिंह पुत्र स्व. श्री मोहिंदर सिंह को दिनांक 12.05.2025 के आदेश द्वारा प्रदान किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के नामांत्रण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम

8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

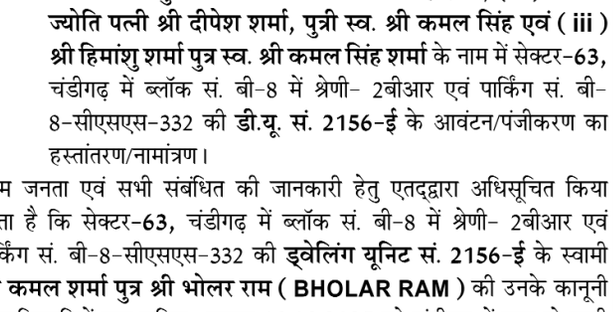

सार्वजनिक सूचना

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री कमल शर्मा (कमल सिंह शर्मा) पुत्र श्री भोलर राम (BHOLAR RAM)** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर **(i) श्रीमती राज कुमारी पत्नी स्व. श्री कमल सिंह शर्मा, (ii) श्रीमती ज्योति पत्नी श्री दीपेश शर्मा, पुत्री स्व. श्री कमल सिंह एवं (iii) श्री हिमांशु शर्मा पुत्र स्व. श्री कमल सिंह शर्मा** के नाम में सेक्टर-**63,** चंडीगढ़ में ब्लॉक सं. बी-8 में श्रेणी- 2बीआर एवं पार्किंग सं. बी-8-सीएसएस-332 की **डी.यू. सं. 2156-ई** के आवंटन/पंजीकरण का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर-**63,** चंडीगढ़ में ब्लॉक सं. बी-8 में श्रेणी- 2बीआर एवं पार्किंग सं. बी-8-सीएसएस-332 की **ड्वेलिंग यूनिट सं. 2156-ई** के स्वामी **श्री कमल शर्मा पुत्र श्री भोलर राम (BHOLAR RAM)** की उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार **16.09.2025** को चंडीगढ़ में मृत्यु हो चुकी है। **(i) श्रीमती राज कुमारी पत्नी स्व. श्री कमल सिंह शर्मा, (ii) श्रीमती ज्योति पत्नी श्री दीपेश शर्मा, पुत्री स्व. श्री कमल सिंह एवं (iii) श्री हिमांशु शर्मा पुत्र स्व. श्री कमल सिंह शर्मा** ने **श्री कमल शर्मा (कमल सिंह शर्मा) पुत्र श्री श्री भोलर राम (BHOLAR RAM)** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने नामों में सेक्टर-**63,** चंडीगढ़ में ब्लॉक सं. बी-8 में श्रेणी- 2बीआर एवं पार्किंग सं. बी-8-सीएसएस-332 की **ड्वेलिंग यूनिट सं. 2156-ई** के हस्तांतरण हेतु निवेदन किया है। उनके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी पीछे नहीं छोड़ा गया है।

यदि किसी व्यक्ति को ड्वेलिंग यूनिट में दावा/अधिकार/रूचि के संबंध में कोई आपत्ति हो, जो चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा **(i) श्रीमती राज कुमारी (पत्नी) और (ii) श्रीमती ज्योति (पुत्री) एवं (iii) श्री हिमांशु शर्मा (पुत्र)** के पक्ष में हस्तांरित की जानी प्रस्तावित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के अंदर लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर उक्त ड्वेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त कथित दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम

8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री जगमोहन सिंह नागरा पुत्र स्व. श्री पी.एस. नागरा (प्रेम सिंह नागरा)** के नाम से **(i) श्री राज कुमार अरोड़ा पुत्र स्व. श्री मोहन लाल एवं (ii) श्रीमती जनक अरोड़ा पत्नी श्री राज कुमार अरोड़ा** के नाम में बिक्री विलेख के आधार पर सेक्टर-38 (डब्ल्यू), चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की ड्वेलिंग यूनिट सं. **5088-ए** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर-38 (डब्ल्यू), चंडीगढ़ में श्रेणी-एलआईजी की ड्वेलिंग यूनिट सं. **5088-ए** आवंटी/हस्तांतरी **श्री जगमोहन सिंह नागरा पुत्र स्व. श्री पी.एस. नागरा (प्रेम सिंह नागरा)** के नाम में दर्ज है। अब, **श्री जगमोहन सिंह नागरा पुत्र स्व. श्री पी.एस. नागरा (प्रेम सिंह नागरा)** ने **10.10.2013** को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में पंजीकृत एवं निष्पादित बिक्री विलेख के तहत **(i) श्री राज कुमार अरोड़ा पुत्र स्व. श्री मोहन लाल एवं (ii) श्रीमती जनक अरोड़ा पत्नी श्री राज कुमार अरोड़ा** को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट बेच दी है। **(i) श्री राज कुमार अरोड़ा पुत्र स्व. श्री मोहन लाल एवं (ii) श्रीमती जनक अरोड़ा पत्नी श्री राज कुमार अरोड़ा** ने बिक्री विलेख के आधार पर अपने नाम में उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय में निवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम

8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री रिषभ पुत्र श्री राजीव कादियान (RAJEEV KADIAN)** के नाम से **श्री जगदीश सिंह बिष्ट पुत्र श्री शेर सिंह** के नाम में बिक्री विलख के आधार पर सेक्टर-49, चंडीगढ़ में श्रेणी-ईडब्ल्यूएस की ड्वेलिंग यूनिट सं. **2918 (ग्राउंड फ्लोर)** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर-49, चंडीगढ़ में श्रेणी-ईडब्ल्यूएस की ड्वेलिंग यूनिट सं. **2918 (ग्राउंड फ्लोर)** आवंटी/हस्तांतरी **श्री रिषभ पुत्र श्री राजीव कादियान** के नाम में दर्ज है। अब, **श्री रिषभ पुत्र श्री राजीव कादियान (RAJEEV KADIAN)** ने **19.11.2025** को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में पंजीकृत एवं निष्पादित बिक्री विलेख के तहत **श्री जगदीश सिंह बिष्ट पुत्र श्री शेर सिंह** को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट बेच दी है। **श्री जगदीश सिंह बिष्ट पुत्र श्री शेर सिंह** ने बिक्री विलेख के आधार पर अपने नाम में उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय में निवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

इन चीजों की मदद से करें अपने हैंडबैग की सफाई

ज्यादातर महिलाएं अपने लंच बॉक्स से लेकर खाने की छोटी चीजें भी पर्श में रखती हैं। ऐसे में पर्स काफी ज्यादा गंदा हो जाता है। अगर आपका भी हैंडबैग महंगा है और काफी जल्दी गंदा हो गया है तो आपको कुछ आसान हैक्स की मदद से अपने हैंडबैग की सफाई करनी होगी। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने हैंडबैग की मिनटों में सफाई कर सकती हैं।

फालतू कागजात हटा दें

हैंडबैग में रखा फालतू कागजात को आपको हटाना होगा। यह हैंडबैग को काफी ज्यादा गंदा करते हैं। इतना ही नहीं, इसके कारण आपके बैग में सामान रखने की भी जगह नहीं होती है। अगर हैंडबैग की सफाई करनी है तो इन चीजों को हटाना होगा।

ड्राई क्लीन करें

आप अपने हैंडबैग को समय- समय पर ड्राई क्लीन करते रहना चाहिए। इससे बैग क्लीन रहता है। ड्राई क्लीन करने के लिए बैग में रखा सारा सामान निकालना होगा और सूती कपड़ों की मदद से पूरे हैंडबैग की सफाई करनी होगी। ऐसा करने से आपका हैंडबैग साफ हो जाएगा।

टिफिन ध्यान से रखें

अगर आप अपने बैग में टिफिन रखती हैं तो टिफिन को किसी बैग में करके रखना चाहिए। इससे आपके बैंक में गेवी वाली चीजें नहीं गिरेगी। यह आपके महंगे हैंडबैग को खराब कर सकता है। हालांकि इस स्थिति में आपको अपने हैंडबैग को पानी की मदद से धोना होगा। बार- बार हैंडबैग को धोने से यह पुराना हो सकता है। ऐसे में आपको इन चीजों का खास ध्यान रखना है।

इन बातों का रखें ध्यान

- हैंडबैग की सफाई करते समय जल्दबाजी ना करें।
- हैंडबैग की सफाई के समय हार्ड ब्रश का इस्तेमाल ना करें।
- हैंडबैग की सफाई के समय डिटर्जेंट का इस्तेमाल ना करें।

इन चीजों से करें सफाई

- हैंडबैग की सफाई गुनगुना पानी से करें
- हैंडबैग की सफाई लिक्विड डिटर्जेंट से करें
- हैंडबैग की सफाई स्टीमर से करें

नकली शॉपिंग वेबसाइट को पहचानने के ये तरीके आप भी जानें बाद में नहीं होगा पछतावा

अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करती हैं तो आपको बता दें इन दिनों कई लोग बड़े- बड़े ब्रांड्स के नाम पर नकली शॉपिंग वेबसाइट बना देते हैं। ऐसे में आपको इन वेबसाइट से बचकर रहना चाहिए। अब आप सोच रहे होंगे आखिर नकली वेबसाइट के बारे में कैसे पता करें कि यह असली वेबसाइट है या नकली।

टेक्नोलॉजी के इस जमाने में लोग बाहर जाने से ज्यादा ऑनलाइन शॉपिंग करना ही पसंद करते हैं। अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करती हैं तो आपको बता दें इन दिनों कई लोग बड़े- बड़े ब्रांड्स के नाम पर नकली शॉपिंग वेबसाइट बना देते हैं। ऐसे में आपको इन वेबसाइट से बचकर रहना चाहिए। अब आप सोच रहे होंगे आखिर नकली वेबसाइट के बारे में कैसे पता करें कि यह असली वेबसाइट है या नकली। ऑनलाइन कई शॉपिंग वेबसाइट ऐसे हैं जो यूजर्स से पैसे तो ले लेते हैं लेकिन उनका सामान उन तक नहीं पहुचाते हैं। चलिए जानें कैसे आप फर्जी वेबसाइट को पहचान सकती हैं।

खराब वेबसाइट डिजाइन

अगर आप किसी वेबसाइट पर पहली बार गए हैं तो आपका ध्यान उस वेबसाइट के डिजाइन पर जा रहा होगा। ऐसे में अगर आपको वह देखने में अजीब लगे तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। वेबसाइट अपने डिजाइन पर काफी ज्यादा ध्यान देते है। ऐसे में फर्जी वेबसाइट इन चीजों पर ध्यान नहीं देते। वह लोकल डिजाइन बना देते हैं। ऐसे में आप फर्जी वेबसाइट को पकड़ सकती हैं।

अधूरी प्रोडक्ट की जानकारी

अगर आप किसी प्रोडक्ट के देख रहे हैं और उस प्रोडक्ट के बारे में पूरे तरीके से जानकारी नहीं दी गई हैं तो आपको तुरंत समझ जाना है की यह वेबसाइट फर्जी है। असली वेबसाइट अपने प्रोडक्ट की पूरे तरीके से जानकारी देते हैं। वहीं नकली की करें तो वह ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट सस्ते दाम पर देते हैं। ताकि लोग उसका कम दाम देखकर तुरंत उसे आर्डर करें।

इन 3 टिप्स की मदद से पहचानें फेक वेबसाइट

आजकल कई सारे साइबर अपराध हो रहे हैं। अलग-अलग तरह के ऑफर और डिस्काउंट के बारे में बता कर कई फेक वेबसाइट की मदद से ऑनलाइन ठगी हो रही है लेकिन अगर आप इन साइबर अपराध से बचना चाहती हैं तो आपको फेक वेबसाइट की पहचान करना आना चाहिए। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फेक वेबसाइट की पहचान कर सकती हैं।

चेक करें वेबसाइट का एड्रेस टाइप

आपको वेबसाइट का एड्रेस टाइप सबसे पहले चेक करना चाहिए। आपको बता दें कि वेबसाइट के एड्रेस में कई तरह की जानकारी होती है जिससे आप यह पता कर सकते हैं कि वेबसाइट फेक है या नहीं। अगर साइट का यूआरएल एचटीटीपीएस से शुरू होता है तो ज्यादातर ऐसी वेबसाइट असली होती हैं लेकिन कई बार फेक वेबसाइट की तरह ही यूआरएल फेक वेबसाइट के ठग भी बना लेते हैं। आप वेबसाइट को ओपन करने से पहले माउस को लिंक पर ले जाएं। इससे यूआरएल और हाइपरलिंक पॉप अप के रूप में दिख जाएगा। जिससे आपको वेबसाइट की पहचान करने में मदद मिलेगी। इस तरह से आप यह पता कर पाएंगी की वेबसाइट फेक है या फिर असली है।

ऐसे करें चेक

वेबसाइट पर लिखी गई अंग्रेजी को भी चेक करें और साथ ही आपको वेबसाइट के डोमेन नेम को जरूर चेक करना चाहिए। इसके अलावा आपको यह भी चेक करना चाहिए कि वेबसाइट में नीचे स्क्रॉल करने पर कॉपीराइट संबंधी जानकारी दी गई है या फिर नहीं। साथ ही आपको यह भी देखना चाहिए कि यूआरएल के आगे लॉक का निशान बना हुआ है कि नहीं। अगर यूआरएल के आगे लॉक का निशान बना होता है तो यानी की वह फेक वेबसाइट नहीं होती है। इन सभी चीजों को ध्यान रखकर आप यह पता कर सकती हैं कि वेबसाइट फेक है या फिर असली वेबसाइट है।

देखें वेबसाइट सर्टिफिकेशन

अगर आप वेबसाइट के होमपेज और लॉगिन पेज पर एसएसएल सर्टिफिकेशन को चेक करेंगी तो आपको यह पता चल जाएगा कि वेबसाइट फेक है या फिर वेबसाइट असली है। इसके साथ ही आपको यह भी चेक करना चाहिए कि वेबसाइट पर कई आक्रामक विज्ञापन है या नहीं क्योंकि अगर आप वेबसाइट खोलती हैं और साइट पर कई तरह के आक्रामक विज्ञापन आपको नजर आते हैं तो समझ जाएं कि वह विज्ञापन वायरस से जुड़े हुए भी हो सकते हैं इसलिए आपको इन वेबसाइट पर तुरंत भरोसा करके अपनी पर्सनल जानकारी को शेयर नहीं करना चाहिए।

बनना चाहती हैं बेस्ट बहू, तो शादी के बाद ससुराल वालों को ऐसे करें इंप्रेस

शादी के बाद लड़कियों के मन में अलग-अलग तरह की बातें चलती रहती हैं। वह सोचती हैं कि आखिर ऐसा कौन सा तरीका अपनाया जाए जिससे वो ससुराल वालों का दिल जीत लें। इस दौरान वो खाना बनाने से लेकर बातचीत का हर वो तरीका अपनाती हैं। बता दें कि ससुराल जाने के बाद लड़कियों के जीवन में कई तरह के बदलाव आते हैं, इस दौरान उन्हें नए तौर-तरीकों से अपने जीवन की शुरुआत करनी पड़ती है। वहीं ससुराल वालों को इंप्रेस करना हर लड़की के लिए किसी मुश्किल टास्क से कम नहीं। कहा जाता है कि अगर ससुराल वालों के दिल में जगह बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले दुल्हन को अपने सास-ससुर का दिल जीतना होगा। ऐसे में आज हम बताएंगे कुछ ऐसे तरीके जिसकी मदद से आप न सिर्फ ससुराल वालों को इम्प्रैस कर सकती हैं बल्कि बेस्ट बहू भी बन सकती हैं।

पार्टनर की लें मदद

घर में आने के बाद हर किसी को समझने के लिए अपने पार्टनर की मदद लें। अगर किसी का बर्ताव आपके प्रति सही नहीं है तो उस बारे में उनसे चर्चा करें। पार्टनर आपको सभी से मिलने में मदद कर सकता है और बेहतर राय दे सकता है। नए घर में चीजों को बेहतर तरीके से करने के लिए उनसे सलाह लेती रहें।

घर के किसी एक सदस्य को बनाएं दोस्त

ससुराल में कई ऐसे लोग होते हैं जो जल्द ही आपके दोस्त बन जाते हैं। इसमें देवर या फिर ननद कोई भी हो सकता है। ऐसे में उनकी पसंद को जानें और पर्सनल बॉन्ड बनाएं। जिससे आप दोनों एक दूसरे से खुलकर बात कर सकें और अपनी बातें शेयर कर सकें। घर में किसी एक से अच्छी बॉन्डिंग होने से आप बाकी लोगों के बारे में अच्छी तरह जान सकती हैं।

हर किसी को खुश करने न करें कोशिश

कोशिश करें कि सभी आपके काम या फिर व्यवहार को पसंद करें। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप जबरदस्ती काम करें। इसके अलावा अगर आपको कुछ बातें पसंद नहीं है तो सीधे ना कर दें। ऐसा जरूरी नहीं कि आप हर किसी की बातों पर हंसे या फिर हां में हां मिलाएं। दूसरों को जानने के अलावा खुद के बारे में भी लोगों को जानने दें। यह बेहद जरूरी है कि घर के बाकी सदस्यों की तरह आपको भी उतना ही सम्मान मिले।

किसी के लिए न बनाएं गलत धारणा

सास और ससुर के प्रति पहले से गलत धारणा न बनाएं बल्कि उन्हें समझने के लिए वक्त लें। हर वक्त उनसे बात करें और अच्छी बॉन्डिंग बनाएं। आमतौर पर सास की नेगिटिव छवि बनाई जाती है, ससुराल में घर के बाकी सदस्यों की तरह उन्हें भी अपना प्यार दें और उनके साथ बेहतर रिश्ता बनाएं।

सोच-समझकर बातें करें शेयर

लोग आपसे पर्सनल लाइफ या फिर शादी से पहले के रिलेशनशिप को लेकर सवाल कर सकते हैं। ऐसे में सबकुछ बताने के बजाय उन्हीं बातों को शेयर करें जो आप बताना चाहती हैं। कई बार ऐसा होता है जब आपकी पास्ट रिलेशनशिप का प्रभाव आपकी मैरिड लाइफ पर भी पड़ सकता है। इसलिए अपनी पसंद या फिर ख्वाहिशों के बारे में बताएं।

अपने कपड़ों से करें इंप्रेस

कई लड़कियों को अपनी पसंद के कपड़े पहनने की आदत होती हैं। ऐसे में जब कोई फंक्शन या फिर त्योहार हो तो उसके हिसाब से कपड़े पहने। नई नवेली दुल्हन को हर कोई देखना चाहता हैं, ऐसे में आप अच्छी तरीके से तैयार होती हैं तो लोग आपकी तारीफ करेंगे। आपकी तारीफ से ससुराल वाले भी खुश होंगे।

फैमिली के शिष्टाचार में दिखाएं रुचि

हर एक परिवार के अपने नियम होते हैं और भले ही आपको इसकी आदत नहीं है लेकिन उनके साथ भागीदारी जरूर बनायें। घर की खुशी के लिए उनके नियमों का पालन करें, लेकिन अगर आपको कुछ नियम नहीं पसंद तो उन्हें इस बारे में बताएं। उन्हें अपनी बातों से समझाएं कि आप ऐसा नहीं कर सकती हैं।

बच्चों के नखरे उठाने और पालन पोषण करने में आती है दिक्कत? एक्सपर्ट से जान हैंडल करने के टिप्स

नखरे बच्चों का गहना हैं। बच्चे चंचल हों तो चिंता की बात नहीं होती, लेकिन उनमें आवश्यकता से अधिक गंभीरता हो तो जरूर चिंता होती है। लेकिन कभी-कभी बच्चों का नखरा संभालना मुश्किल हो जाता है। कब उनका नखरा जिद बन जाता है और कब जिद जी का जंजाल बन जाती है, माता-पिता समझ ही नहीं पाते। इसके लिए, मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक डॉ. राहुल से जानें, बच्चों नखरे हैंडल करने के टिप्स।

जब हाथ से निकलने लगता है नखरा

अपने मन का न होने पर पैर पटकने लगना, चीखना-चिल्लाना, दीवार पर हाथ-पैर मारने लगना, काटना या जानबूझकर खाना छोड़ देना कुछ ऐसे लक्षण हैं, जो दिखाते हैं कि आपके बच्चे का नखरा अब जिद में बदल चुका है और आपको उसे संभालने के लिए मेहनत करनी होगी। इस बिंदु पर अगर आपने संयम खोया तो बच्चे को संभालना मुश्किल हो सकता है। सामान्य तौर पर दो साल की उम्र के बाद से बच्चे इस तरह के नखरे दिखाने लगते हैं।

नखरे का कारण समझिए

इस उम्र में बच्चे आमतौर पर हताशा के कारण जिद करने लगते हैं। होता यह है कि बच्चे अपनी बात को पूरी तरह प्रकट नहीं कर पाते हैं। मन और भावनाओं की तुलना में उनका संवाद कम विकसित होता है, इसी कारण उन्हें हताशा होने लगती है। इसी हताशा में बच्चे जिद करते हैं। अगर आप उनकी बात समझ लें तो उन्हें समझाना आसान हो जाता है।

शांत बने रहिए

जब बच्चा नखरे कर रहा हो तो आपका शांत बने रहना जरूरी हो जाता है। नम्रता के साथ-साथ आपको दृढ़ता से उसे समझाना चाहिए। कोशिश कीजिए वह किसी भी तरह खुद को नुकसान न पहुंचाए। उसे उन चीजों या परिस्थितियों से दूर रखिए, जिनसे उसे गुस्सा आता है। उसे डांटने के बजाय संभलने का मौका दीजिए। जैसे ही लगे कि बच्चा कोई जिद करने वाला है, बिना ज्यादा प्रतिक्रिया दिए उसे वहां से हटाकर किसी और बात में बहला दीजिए।

दिल पर मत लगाइए बात

ऐसी स्थिति में बच्चे बहुत कुछ ऐसा कह या कर देते हैं, जो माता-पिता के रूप में आपको बुरा लग सकता है। उन बातों को दिल से लगाकर गुस्सा मत होइए। न ही आपको उसके व्यवहार के लिए स्वयं को दोषी मानने की जरूरत है। ध्यान रखिए कि बच्चा जो कर रहा है उसका कारण आप नहीं, उसकी हताशा है। बच्चा किसी सार्वजनिक स्थान जैसे मॉल या पार्क आदि में ऐसा करे, तब आपका धैर्य रखना और भी जरूरी हो जाता है।

रखें इन बातों का ध्यान

घर में कोई मेहमान आने वाला हो तो बच्चे को पहले से उसके बारे में बता दें। ऐसे मामलों में बच्चे ज्यादा सरप्राइज पसंद नहीं करते हैं। बच्चों को प्रेम से समझाइए कि मेहमानों के सामने कैसा व्यवहार करना चाहिए। इसके अलावा, अगर बच्चों को कहीं लेकर जाएं तो कोशिश करें कि उनका पसंदीदा खिलौना साथ रहे। इससे बच्चे को संभालना आसान हो जाता है।

केएससीए के नए अध्यक्ष चुने गए वेंकटेश प्रसाद

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) का नया अध्यक्ष चुना गया है। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुजीत सोमसुंदर को उपाध्यक्ष चुना गया है, जबकि संतोष मेनन सेक्रेटरी चुने गए। बीएन मधुकर को ट्रेजरर चुना गया, जबकि केएन शांत कुमार पैनल के बीके रवि को ज्वाइंट सेक्रेटरी पद का जिम्मा मिला है। रविवार को जिस चुनाव का बेसब्री से इंतजार था, उसमें कुल 1,307 वोट पड़े, जो 2013 में डाले गए रिकॉर्ड 1,351 वोटों से थोड़े कम हैं। भारत की तरफ से 33 टेस्ट और 161 वनडे मुकाबले खेलने के बाद वेंकटेश प्रसाद साल 2010 से 2013 तक केएससीए के उपाध्यक्ष रहे थे। प्रसाद के पैनल को भारत के पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले और जवागल श्रीनाथ का सपोर्ट था, जिन्होंने 2010 से 2013 तक केएससीए के प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी के तौर पर भी काम किया। अब,

उन्हें 749 वोट मिले हैं, जबकि उनके विरोधी केएन शांत कुमार ने 588 वोट हासिल किए। उपाध्यक्ष पद के लिए सुजीत सोमसुंदर को 719 वोट मिले, जबकि डी विनोद सिवप्पा ने 588 वोट हासिल किए। सोमसुंदर ने हाल ही में बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीईओ) में एजुकेशन हेड के तौर पर काम किया था।

संतोष मेनन को सेक्रेटरी पद के लिए 672 वोट मिले, जबकि ईएस जयराम ने 632 वोट हासिल किए। बीएन मधुकर ने 736 वोट के साथ ट्रेजरर हासिल किया, जबकि एमएस विनय को 571 वोट मिले। शांत कुमार पैनल के लिए खुशी की बात यह रही कि बीके रवि ने 669 वोट हासिल करते हुए ज्वाइंट सेक्रेटरी पद हासिल किया। उन्होंने एवी शशिधर को हराया, जिन्हें 638 वोट मिले। मैनेजिंग कमेटी में लाइफ मेंबर के दो पदों के लिए, वीएम मंजूनाथ (690 वोट) और शैलेश एन पोल (618 वोट) चुने गए। बेंगलुरु जोन से तीन पदों के लिए, पूर्व क्रिकेटर कल्पना वेंकटचर (764 वोट), अविनाश वैद्य (691 वोट) और आशीष अमरलाल (703 वोट) चुने गए हैं।

215 रन से टी20 मुकाबला हारी ये टीम

- 17 छक्के मारने वाला अकेले पड़ा 11 खिलाड़ियों पर भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के जिस फॉर्मेट यानी कि टी20 क्रिकेट में 200 प्लस रन को विनिंग टोटल समझा जाता है. उसमें एक टीम 215 रन से मुकाबला हार गई. अब जरा सोचिए कि सामने वाली टीम ने उसे टारगेट कितने रनों का दिया होगा? और, ये नतीजा किसी लीग के मुकाबले का नहीं बल्कि टी20 इंटरनेशनल मैच का है. हम बात कर रहे हैं स्पेन और

क्रोएशिया के बीच खेले टी20 इंटरनेशनल मैच की. 7 दिसंबर को दोनों टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें स्पेन ने क्रोएशिया को 215 रन से हरा दिया. अब ये हुआ कैसा, आइए जानते हैं.

स्पेन ने खड़ा किया रनों का पहाड़- मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्पेन ने रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया. उसने 20 ओवर में 3 विकेट पर 290 रन बनाए, जो कि टी20 इंटरनेशनल में किसी टीम का बनाया 5वां सबसे बड़ा स्कोर है. स्पेन की टीम को इतने बड़े स्कोर तक पहुंचाने में उसके ओपनर मोहम्मद इहसान का बड़ा रोल रहा, जो अकेले ही क्रोएशिया के 11 खिलाड़ियों पर भारी पड़ गए.

17 छक्के उड़ाने वाला पड़ा पूरी टीम पर भारी- मोहम्मद इहसान ने क्रोएशिया के खिलाफ 253.96 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए ना सिर्फ 17 छक्के लगाए बल्कि 5 चौके भी मारे. इन 22 बाउंड्रीज के दम पर उन्होंने सिर्फ 63 गेंदों में ही 160 रन जड़ दिए. अब जब अकेला बल्लेबाज इतने रन मारेगा तो टीम के स्कोर बोर्ड में तो आग लगेगी ही. कुछ वैसा ही क्रोएशिया के खिलाफ स्पेन का स्कोर बोर्ड भी रहा.

हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप

सेमीफाइनल में भारत की हार

जर्मनी ने बनाई खिताबी मुकाबले में जगह

चेन्नई, एजेंसी। भारत को एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में गत चैंपियन जर्मनी के हाथों 1-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अब बुधवार को खिताबी मुकाबले में जर्मनी का सामना स्पेन से होगा, जबकि इसी दिन भारतीय टीम तीसरे/चौथे स्थान के लिए अर्जेंटीना से भिड़ेगी। रविवार को खेले गए इस मुकाबले में भारत के लिए अनमोल एक्का गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे, जबकि जर्मनी की तरफ से लुकास कोसेल, टाइटस वेक्स, जोनास वॉन गेर्सम और बेन हसबैक ने गोल दागे। जर्मनी ने पहले क्वार्टर की शुरुआत मजबूती से की। हालांकि, भारत ने शुरू में दबाव बनाए रखने और गोल दागने की कोशिश की, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। मुकाबले के तीसरे मिनट में ही जस्टस वारवेग ने एक मजबूत इंटरसेप्शन किया, लेकिन भारतीय गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया। 14वें मिनट में जर्मनी को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला। क्विरिन नाहर ने शॉट लिया, जिसे अंकित पाल के शरीर ने गोल के ठीक सामने रोक दिया और मेहमान टीम को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला। लुकास कोसेल ने स्ट्रोक को सफलतापूर्वक गोल में बदला, जिससे जर्मनी को अहम बढ़त मिली। अगले ही मिनट में सर्कल के अंदर टाइटस वेक्स का पास, सुनील पलाक्षप्पा बेन्नूर के पैर से टकराकर गोल में चला गया। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक जर्मनी की टीम 2-0 से आगे निकल गई थी। भारत ने दूसरे क्वार्टर में अपने ओवरऑल गेमप्ले को फिर से बेहतर बनाने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। मुकाबले के 30वें मिनट जर्मनी को अपना दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे लुकास कोसेल ने फिर से सफलतापूर्वक गोल में बदला। यह टीम का तीसरा, जबकि लुकास का दूसरा गोल रहा। भारत की गोल करने की पहली अच्छी कोशिश 34वें मिनट में हुई, जब अजीत यादव ने अपनी स्किल से दो जर्मन डिफेंडर्स को छकाते हुए गोल की तरफ एक जोरदार शॉट मारा, लेकिन गोलकीपर जैस्पर डिट्जर ने मजबूत बचाव किया। 40वें मिनट में जैनिक इनॉक्स ने ड्रिबल किया और भारतीय डिफेंस के बीच से एलेक वॉन श्वेरिन को पास किया, जिन्होंने भारतीय गोलकीपर को छकाते हुए बॉल को गोल की तरफ बढ़ाया और जोनास वॉन गेर्सम ने इसे ओपन नेट में डालकर जर्मनी को 4-0 से आगे कर दिया।

फ्री स्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर

नीमन हंस नें जीता पानी के अंदर शतरंज

भारत से अर्जुन पर होगी नजरे

वहीं फ्री स्टाइल के ग्रैंड स्लैम के एक प्रमोशन टूर्नामेंट में खिलाड़ियों नें पानी के अंदर शतरंज खेला। इस मुक़ाबले में खिलाड़ी पानी के अंदर जाकर चाल चलते और उसके बाद बाहर आकर सांस लेते। इसमें यूएसए के नीमन हंस मोके नें यूएसए के ही फैबियानो कारूआना को पराजित करते हुए खिताब अपने नाम किया , इसका आयोजन कैपटाउन के होटल साइलो के स्वीमिंग पूल में किया गया। वहीं प्रमोशन कार्यक्रम के तहत मैग्नस कार्लसन नें बच्चो के साथ साइमल शतरंज खेला।

कैपटाउन, एजेंसी। 12 साल से दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का पसंदीदा शतरंज फॉर्मेट और उनकी महत्वाकांक्षी फ्री स्टाइल शतरंज श्रृंखला 2025 का विजेता कौन होगा अब यह हमें अगले चार दिनों में पता चल जाएगा ।7 लाख 50 हज़ार डॉलर के पुरस्कार राशि वाले इस फाइनल में कुल आठ खिलाड़ी भाग लेने जा रहे है जिसमें नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, यूएसए के फैबियानो कारूआना , नीमन हंस मोके और लेवान अरोनियन, जर्मनी के विंसेंट केमर, भारत के अर्जुन एरिगैसी , ईरान के परहम मघसूदलू और अभी भी विश्व कप जीतने वाले जावोखीर सिंदारोव शामिल है। इन खिलाड़ियों के बीच पहले राउंड रोबिन आधार पर सात राउंड होंगे उसके बाद उनकी रैंकिंग के अनुसार क्वाटर फ़ाइनल मुकाबलों के लिए सभी की वरीयता तय हो जाएगी इसके बाद क्लासिकल फॉर्मेट में क्वाटर फ़ाइनल सेमी फ़ाइनल और फाइनल के मुक़ाबले खेले जाएँगे ।

प्रज्ञानन्दा बने लंदन शतरंज क्लासिक के सयुंक्त विजेता

फीडे कैंडिडेट के लिए मजबूत हुआ दावा

लंदन, एजेंसी। भारत के नंबर दो शतरंज खिलाड़ी आर प्रज्ञानन्दा नें लंदन चैस क्लासिक में 9 राउंड के बाद 7 अंक बनाकर दो अन्य खिलाड़ी सर्बिया के ईविक वेलीमीर और इंग्लैंड के आमीत के घासी के साथ सयुंक्त विजेता रहे । भारत के प्रणव वी 6.5 अंक बनाकर चौंथे और इनियन पी दसवें स्थान

पर रहे । प्रज्ञानन्दा नें अंतिम राउंड में इज़राइल के ईया स्मिरिन से ड्रॉ खेला और अपने पहले स्थान को सुरक्षित कर लिया । फीडे कैंडिडेट के करीब पहुंचे प्रज्ञानन्दा : फीडे सर्किट में प्रज्ञानन्दा को इस जीत से 8.17 अंक मिले और इससे प्रज्ञानन्दा फीडे सर्किट में 115.17 के साथ पहले स्थान पर मजबूत हो गए है और अब उनको पीछे छोड़ने के लिए जर्मनी के विंसनेट केमर (55.8 अंक) और उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तारोव (51.99) के पास मौका तो है पर ऐसा करना असंभव नजर आता है क्यूंकी इसके लिए उन्हे विश्व रैपिड ऑर ब्लिट्ज़ दोनों के खिताब जीतने होंगे जो आज तक इतिहास में सिर्फ मैगनस कार्लसन नें किया है ।

हार्दिक पंड्या टी20 सीरीज में दम दिखाने को तैयार...

कटक के बाराबती स्टेडियम में अकेले की प्रैक्टिस

कटक, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी तरह फिट हो चुके हैं और वो इंटरनेशनल क्रिकेट में एक बार फिर धमाल मचाने को तैयार हैं. हार्दिक साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलते नजर आएंगे. इसके लिए हार्दिक कटक पहुंच चुके हैं, जहां टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर (मंगलवार) को खेला जाना है. हार्दिक पंड्या को एशिया कप 2025 के दौरान क्वाड्रिसेप्स इंजरी हुई थी, जिसके चलते उन्होंने भारतीय टीम के लिए कुछ सीरीज मिस किए. हाल ही में हार्दिक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में वडोदरा के लिए दो मैच खेलकर फिटनेस साबित की. इस दौरान पंजाब के खिलाफ उन्होंने 77 रनों की धमाकेदार पारी भी खेली थी. रविवार (7 दिसंबर) को हार्दिक पंड्या ने बराबती स्टेडियम में अकेले ट्रेनिंग की. वह शनिवार को ही यहां पहुंच गए थे, जबकि बाकी खिलाड़ी अलग-अलग बैच में यहां पहुंचे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक हार्दिक ने स्ट्रेचिंग, रनिंग और वार्म अप समेत पूरा ट्रेनिंग सेशन किया. सपोर्ट स्टाफ के सदस्य नुवान और दयानंद गरानी भी ट्रेनिंग के दौरान उनके साथ मौजूद रहे.

हार्दिक ने फुल पेस से की बॉलिंग- गेंदबाजी करते समय हार्दिक पंड्या को हल्की असहजता जरूर हुई, लेकिन उन्होंने पूरा जोर लगाकर गेंदबाजी की. लगभग 20 मिनट की बॉलिंग के बाद हार्दिक के लिए 20 मिनट का मसाज सेशन भी हुआ.

शाकिब ने रिटायरमेंट वापस लियाः कहा-

घरेलू सीरीज खेलकर एकसाथ अलविदा कहूंगा

पिछले साल सभी फॉर्मेट को छोड़ा था

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने मोईन अली के पॉडकास्ट बियर्ड बिफोर विकेट में साफ कहा है कि उन्होंने अभी तक तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) से आधिकारिक संन्यास नहीं लिया है। यह पहला मौका है जब उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की। शाकिब ने कहा,'मैं अभी सभी फॉर्मेट से रिटायर नहीं हुआ हूं। मेरा प्लान है कि बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरीज (टी-20, वनडे और टेस्ट) खेलूं और उसके बाद तीनों फॉर्मेट से एक साथ संन्यास ले लूं। सीरीज टी-20 से शुरू हो या टेस्ट से, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बस एक पूरी सीरीज खेलकर फैंस को अलविदा कहना चाहता हूं।'

बांग्लादेश लौटने की उम्मीद

मई 2024 से शाकिब बांग्लादेश नहीं लौटे हैं। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठे थे। वे आवामी लीग से सांसद थे और एक कथित हत्या के मामले में उनका नाम आया था। उस समय वे देश में मौजूद नहीं थे। फिर भी उन्होंने पाकिस्तान और भारत में टेस्ट सीरीज खेली। भारत के खिलाफ कानपुर टेस्ट (सितंबर 2024) अभी तक उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच है।

बांग्लादेश लौटने के सवाल पर शाकिब ने कहा, 'मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं लौटूंगा। इसी वजह से मैं अभी अलग-अलग ङ्ग20 लीग्स में खेल रहा हूं। मुझे यकीन है कि ऐसा होगा। 'उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू सीरीज में परिणाम का कोई दबाव नहीं होगा। वे सिर्फ उन फैंस को धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने सालों तक उनका साथ दिया। खिलाड़ी को अपने वादे पर कायम रहना चाहिए। मैं अच्छा खेलूं या नहीं, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं बस घरेलू मैदान पर खेलकर फैंस को कुछ वापस देना चाहता हूं।'

आरसीबी के लिए आईपीएल शुरू होने से पहले ही खुशखबरी

आईपीएल 2026: चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही गूंजेगी फैंस की गरज

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीता था। पंजाब किंग्स को टीम ने खिताबी मुकाबले में मात दी थी। इस जीत का जश्न बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मनाया गया। इस दौरान भगदड़ मच गई और 11 लोगों की जान चली गई। इसके बाद स्टेडियम पर सवाल खड़े होने लगे। महिला विश्व कप 2025 के मैच बेंगलुरु में होने थे लेकिन उन्हें भी शिफ्ट कर दिया गया था। आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी के मैचों को भी शिफ्ट करने की बात हो रही है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने क्या कहा?- कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने साफ किया है कि एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम से आईपीएल मैचों को कहीं और नहीं ले जाया जाएगा। शिवकुमार ने कहा कि यह बेंगलुरु और कर्नाटक के सम्मान की बात है और वे सुनिश्चित करेंगे कि आईपीए मैच यहीं हों। उन्होंने एक्स पर लिखा- चिन्नास्वामी स्टेडियम से आईपीए मैच कहीं और शिफ्ट नहीं होने देंगे। यह बेंगलुरु और कर्नाटक की शान का सवाल है।

हम यह पक्का करेंगे कि आईपीएल मैच यहीं हों। मैं क्रिकेट फैन हूं। हम यह पक्का करेंगे कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और स्टेडियम की इज्जत बनी रहे। हम एक नए क्रिकेट स्टेडियम का भी निर्माण करेंगे जो एक विकल्प के तौर पर काम करेगा।

कई इवेंट की मेजबानी छीन चुकी- 2025 महिला वनडे विश्व कप के पांच मैच यहां होने थे, लेकिन 4 जून की भगदड़ के बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन पुलिस से आवश्यक मंजूरी हासिल नहीं कर सका। इससे पहले अगस्त में महाराजा टी20 टूर्नामेंट की मेजबानी से भी इस स्टेडियम को हटा दिया गया था। इसके अलावा, 2026 में होने वाले महिला प्रीमियर लीग के मैच भी चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं होंगे। लीग के मुकाबले नवी मुंबई के डॉ. डी. वाई. पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी और वडोदरा के कोटम्बी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

न्यूज डायरी

अल्बा स्मेरिग्लियो चंडीगढ़ की नई ब्रिटिश उप उच्चायुक्त नियुक्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अल्बा स्मेरिग्लियो ने चंडीगढ़ में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। वह हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में यूके का प्रतिनिधित्व करती हैं।

अल्बा एक अनुभवी राजनयिक हैं और उन्होंने लंदन तथा विदेशों में विभिन्न भूमिकाओं में कार्य किया है। उनकी पिछली नियुक्तियों में मॉन्टसेराट शामिल है, जहाँ उन्होंने कार्यक्रम और कार्यालय प्रमुख के रूप में कार्य किया। इसके अलावा उन्होंने कैरेबियन और दक्षिण एशिया में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

लंदन में, उन्होंने आर्थिक विकास, लोकतांत्रिक शासन, सुरक्षा सहयोग और मानवाधिकार जैसे कई नीतिगत क्षेत्रों पर काम किया है।

अल्बा ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस से अंतर्राष्ट्रीय विकास में बीएससी, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन से एमए, और यूनिवर्सिटी ऑफ सिएना से राजनीति में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समाजसेवी मयंक गोयल को किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अमरनाथ अग्रवाल ग्रुप के डायरेक्टर इंजीनियर मयंक गोयल को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। मयंक गोयल पंचकूला टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष और भारतीय विद्या भवन सहित कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री द्वारा मिला सम्मान न केवल उनके योगदान की सराहना है, बल्कि युवा नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। मयंक गोयल वर्ष 2008 से समूह के प्रमुख स्तंभ के रूप में जुड़े हुए हैं और अपने तकनीकी ज्ञान, नवाचार व आधुनिक प्रबंधन दृष्टिकोण से समूह को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक कर चुके मयंक गोयल समूह की कई कंपनियों में निदेशक के रूप में रणनीतिक योजना, संचालन और विस्तार कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। उन्होंने रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर, हॉस्पिटैलिटी और सामाजिक संस्थानों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मयंक गोयल पंचकूला अपार्टमेंट्स और लग्जरी इंडिपेंडेंट फ्लोर्स जैसे उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय परियोजनाओं के प्रमुख मार्गदर्शक हैं। आधुनिक डिज़ाइन, उत्कृष्ट लेआउट और श्रेष्ठ निर्माण गुणवत्ता के लिए ये प्रोजेक्ट व्यापक रूप से सराहे जाते हैं। एएनए ग्रुप की प्रमुख इकाई के निदेशक के रूप में उन्होंने 120 एकड़ में फैले अमरावती एंक्लेव के विकास, अमरावती एनएच-22 मॉल, इनाक्स मल्टीप्लेक्स, क्लार्क्स इन होटल और क्षेत्र के पहले रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट जैसी परियोजनाओं को दिशा देने में अहम भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में एएनए कंस्ट्रक्शंस ने शुगर मिल, थर्मल पावर प्लांट, रेलवे ओवरब्रिज, पुलों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक ढांचों का सफल निर्माण किया है। एएनए एंटरटेनमेंट्स के निदेशक के रूप में उन्होंने अमरावती एंक्लेव स्थित 'चौखी ढाणी' के विकास और संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जो राजस्थानी संस्कृति और आतिथ्य का प्रमुख केंद्र है। अमरावती विद्यालय के वित्त सचिव के रूप में वे पारदर्शी प्रशासन, आधुनिक संसाधनों और छात्र-केंद्रित विकास पर विशेष ध्यान देते हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक का समर्थन करते हुए सांसद कर्तिकेय शर्मा बोले — भारत अब कैंसर जैसी बढ़ती चुनौती के खिलाफ निर्णायक वित्तीय लड़ाई के लिए तैयार

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। राज्यसभा सांसद कर्तिकेय शर्मा ने आज स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य सूचकांकों की वर्तमान स्थिति ऐसे साहसिक और पर्याप्त वित्तीय प्रावधान वाले कदम की मांग करती है।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। स्वास्थ्य को अब खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य में रणनीतिक निवेश माना जा रहा है। हानिकारक उत्पादों पर सेस लगाकर उस राजस्व को सीधे स्वास्थ्य कार्यक्रमों में लगाना एक ऐसा मॉडल है जो प्रभावी होने के साथ-साथ न्यायसंगत और दूरदृष्टि युक्त भी है।

भारत में बढ़ता कैंसर बोझ राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन रहा है

शर्मा ने बताया कि भारत में हर वर्ष 14 लाख से अधिक नए कैंसर मामले सामने आते हैं और लगभग 9 लाख मौतें कैंसर के कारण होती हैं। वर्ष 1990 से 2023 के बीच कैंसर के मामलों में 26 प्रतिशत और मृत्यु दर में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह प्रवृत्ति, उन्होंने कहा, स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि स्वास्थ्य ढांचे में त्वरित और संरचनात्मक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत में महिलाओं के कुल कैंसर मामलों का 27 प्रतिशत केवल स्तन कैंसर है। वहीं सर्वाइकल कैंसर हर वर्ष 70–77 हजार महिलाओं की मृत्यु का कारण बनता

है, और 80 प्रतिशत से अधिक मामलों का पता देर से चलता है। हरियाणा में सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के कुल कैंसर मामलों का 12–14 प्रतिशत हिस्सा है, जो मुख्य रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्रभावित करता है।

प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण: स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वस्थ नारी सशक्त अभियान की मूल भावना बेहद स्पष्ट है — यदि महिलाएँ स्वस्थ होंगी तो परिवार सशक्त होंगे, और जब परिवार सशक्त होंगे तो राष्ट्र मजबूत बनेगा।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक नारा नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों की अनेक प्रभावशाली सामाजिक और स्वास्थ्य पहलों की प्रेरक शक्ति भी है।

नमो शक्ति रथ: समुदाय-आधारित महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा का मॉडल

शर्मा ने बताया कि इसी राष्ट्रीय दृष्टि से प्रेरित होकर उन्होंने हरियाणा में नमो शक्ति रथ की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य स्तन और सर्वाइकल कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम हेतु महिलाओं को उनके घर-द्वार पर ही स्क्रीनिंग सुविधा उपलब्ध कराना है — खासकर उन बीमारियों के लिए जिन पर समाज में अक्सर चर्चा भी नहीं होती।

उन्होंने कहा, आमतौर पर स्वास्थ्य सेवाएँ लोगों को अपने पास बुलाती हैं, लेकिन नमो शक्ति रथ स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक पहुँचाता है।

इस परियोजना के तहत 20 से अधिक आधुनिक मोबाइल वैनें संचालित की जाएँगी, जिन्हें MPLADS निधि और व्यक्तिगत योगदान के माध्यम से समर्थित किया जा रहा है। प्रत्येक वैन में डॉक्टर, प्रशिक्षित तकनीशियन और फील्ड टीमें तैनात रहती हैं, जो गाँव-गाँव जाकर कैंसर स्क्रीनिंग, बुनियादी जाँच और जागरूकता कार्यक्रम संचालित करती हैं। ये वैनें दर्जनों ग्राम पंचायतों को कवर कर चुकी हैं और हजारों महिलाओं को समय रहते जाँच का लाभ मिला है।

शर्मा ने कहा कि ज़मीन पर मिला अनुभव अत्यंत प्रेरक रहा है। कई महिलाएँ, जिन्होंने जीवन में कभी एक भी स्क्रीनिंग नहीं करवाई थी, अब अपने ही गाँव में कुछ ही मिनटों में जाँच करवा पा रही हैं। कई मामलों में शुरुआती चरण में ही जोखिमों की पहचान हो चुकी है, और उन्होंने कहा कि भारत की कैंसर-विरोधी लड़ाई की शुरुआत वास्तव में यहीं से होती है।

उन्होंने आगे कहा कि नमो शक्ति रथ सिर्फ एक स्वास्थ्य परियोजना नहीं है। यह वह उदाहरण है कि जब संसद की मंशा और ज़मीनी क्रियान्वयन साथ आते हैं, तो परिवर्तन कैसे दिखाई देता है। यह विधेयक की उस मूल भावना को पूरा दर्शाता है — जल्दी पहचान, जागरूकता और महिलाओं के स्वास्थ्य में निवेश ही भारत के भविष्य को सुरक्षित कर सकता है।

नीति तभी सार्थक, जब प्रभाव ज़मीन पर दिखे

शर्मा ने कहा कि संसद में बनी नीतियाँ तभी सफल होती हैं जब वे उन लोगों तक पहुँचें जिनके लिए वे बनाई गई हैं। सांसदों की जिम्मेदारी है कि दिल्ली से शुरू हुई योजनाएँ जिलों, ब्लॉकों और गाँवों में वास्तविक परिणाम के रूप में दिखें। उनके लिए नमो शक्ति रथ उसी कड़ी को मजबूत करने का व्यक्तिगत संकल्प है।

अंत में उन्होंने कहा कि यदि नागरिक स्वस्थ नहीं होंगे, तो राष्ट्र सुरक्षित नहीं हो सकता। स्वास्थ्य सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार है। यह विधेयक भारत के अगले चरण की स्क्रीनिंग, रोकथाम और जागरूकता योजनाओं की रीढ़ बनेगा।

सफाई यूनियन ने महापौर का जताया आभार

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। शहर के सफाई कर्मचारियों को करीब 9 करोड़ रुपये का बकाया एरियर जारी होने पर सफाई यूनियन के पदाधिकारियों ने पंचकूला महापौर कुलभूषण गोयल से मुलाकात कर उनका धन्यवाद किया। यूनियन प्रतिनिधियों ने बताया कि वे लंबे समय से अपनी इस मांग को लेकर विभाग के चक्कर काट रहे थे। पिछले दिनों उन्होंने इस मुद्दे को लेकर महापौर से भी भेंट की थी, जिसके बाद महापौर गोयल ने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि महापौर के हस्तक्षेप के बाद अब कर्मचारियों के खाते में 1 लाख से 1.50 लाख रुपये तक की राशि पहुंच गई है। इतना ही नहीं, सफाई कर्मचारियों के बच्चों के कल्याण के लिए भी महापौर द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की गई। उनके अनुसार, बच्चों को दिए गए वजीफे ने उन्हें शिक्षा में बेहतर अंक लाने के लिए प्रेरित किया है और यह अन्य बच्चों के लिए भी प्रोत्साहन का कार्य करेगा। इस मौके पर महापौर कुलभूषण गोयल ने सफाई कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि शहर को साफ-सुथरा रखने में 'सफाई मित्रों' का योगदान अविस्मरणीय है।

क्लबों में सुरक्षा मानक सुनिश्चित करें संचालक: उपायुक्त सतपाल शर्मा

- पंचकूला प्रशासन सख्त, समय से अधिक खुले क्लबों पर होगी कार्रवाई
- क्लब संचालकों को डीसी का निर्देश: सुरक्षा, रिकॉर्ड और समयपालन अनिवार्य

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने आज सेक्टर–5 में पंचकूला के क्लब संचालकों के साथ बैठक कर क्लबों में सुरक्षा मानकों की समीक्षा की और उन्हें सख्ती से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देशों का पालन न करने वाले क्लबों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता, डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक श्री मनप्रीत सिंह सूदन, उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) श्री प्रदीप यादव, एक्साइज इंस्पेक्टर श्री राजीव कुमार और श्री सोनू भी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने निर्देश दिए कि क्लब यह भी सुनिश्चित करें कि उनकी गतिविधियों से आमजन को कोई असुविधा न हो।

उपायुक्त ने क्लब संचालकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वे निर्धारित नियमों के अनुसार क्लबों का संचालन करें तथा केवल लाइसेंस में अनुमत गतिविधियाँ ही चलाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीति के अनुसार समयपालन सुनिश्चित करे। यदि कोई क्लब तय सीमा से अधिक समय तक खुला पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

श्री सतपाल शर्मा ने यह भी कहा कि क्लबों की जिम्मेदारी है कि वे आगंतुकों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराएं, आने–जाने वाले लोगों का रिकॉर्ड बनाए रखें तथा निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश न दें। साथ ही आवश्यक अग्नि सुरक्षा तथा अन्य अनिवार्य एनओसी (NOC) अवश्य प्राप्त की जाए। उन्होंने जोर दिया कि डीजे की आवाज निर्धारित सीमा से अधिक न हो, ताकि आसपास के निवासियों को परेशानी न हो

पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता ने निर्देश दिए कि क्लबों में प्रवेश से पहले आगंतुकों की उचित जांच की जाए, जिससे कोई असामाजिक तत्व हथियार आदि लेकर भीतर न जा सके। यदि कोई व्यक्ति अव्यवस्था फैलाने का प्रयास करे तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए।

आईआईएसएफ 2025 युवाओं में बेहद लोकप्रिय: 10,000 से ज्यादा छात्रों ने हरियाणा में देश के सबसे बड़े विज्ञान महोत्सव का दौरा किया

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2025 का उद्घाटन 6 दिसंबर 2025 को माननीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) डॉ. जितेंद्र सिंह जी ने किया। इस महोत्सव में दस हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जो देश के युवाओं में इसकी अपार लोकप्रियता को दर्शाता है। छात्रों को माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह जी के साथ खुले मंच पर विभिन्न विषयों – सामाजिक रूप से लाभकारी नवाचारों, करियर, तथा सरकार की दृष्टि और युवाओं के लिए प्राथमिकताओं – पर संवाद करने का अवसर मिला।

सभी सत्रों में छात्रों को वैज्ञानिकों एवं नवप्रवर्तकों से बातचीत करते देखा गया। वे विशेष आकर्षणों जैसे एसएंडटी विलेज, साइंस सफारी, साइंस ऑन अ स्फियर तथा वर्चुअल रियलिटी टूर और लाइव प्रयोगों वाली प्रदर्शनियों की ओर खिंचे चले आए। भारत के वायुसेना टेस्ट पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मिलने पर छात्रों में अपार उत्साह देखा गया। युवा दिमागों को भविष्योन्मुखी विषयों – बायो-इकॉनमी, ब्लू इकॉनमी, वेस्ट टू वेल्थ, स्टार्टअप्स, नई पीढ़ी की तकनीकें, जीन एडिटिंग तथा क्वांटम – पर चर्चाओं में भाग लेने का मौका भी मिला।

आइआइएसएफ 2025 के आकर्षणों का उद्देश्य जिज्ञासा जगाना और विज्ञान-प्रौद्योगिकी में रुचि बढ़ाना था। एसएंडटी विलेज ने छात्रों को वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों एवं नवप्रवर्तकों से जोड़ा तथा वास्तविक दुनिया के विज्ञान से जुड़ने की प्रेरणा दी। साइंस ऑन अ स्फियर एक साइंस-फिक्शन फिल्म जैसा अनुभव था, जिसमें घूमती हुई गोलाकार प्रदर्शनी पर पृथ्वी के जलवायु और प्रक्रियाओं (जैसे तूफान एवं टेक्टोनिक प्लेटों की गति) के हाई-डेफिनिशन दृश्य रियल-टाइम में दिखाए गए। साइंस सफारी बच्चों को एसटीईएम खिलौने, खेल, हैंड्स-ऑन वर्कशॉप और शिक्षक प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं की जानकारी देने का अनूठा तरीका था।

सरकार के विज्ञान विभागों एवं मंत्रालयों की प्रदर्शनियां भी खासी प्रभावशाली रहीं। डीएसटी, आईसीएमआर तथा डीबीटी मंडपों में लाइव विज्ञान क्विज़, सीएसआईआर मंडप में लाइव प्रयोग एवं नए उत्पादों (जैसे बाजरे का बर्गर, न्यूट्रास्यूटिकल्स तथा लैवेंडर से बने सौंदर्य प्रसाधन) का प्रदर्शन, सीएसआईआर, आईयूसीएए तथा एनआईएफ मंडपों में आकर्षक तकनीकी प्रदर्शन, खान मंत्रालय के जीएसआई का जीवाश्म प्रदर्शन, तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एनसीपीओआर मंडप में भारत के अंटार्कटिक रिसर्च स्टेशन का वर्चुअल रियलिटी टूर – ये सभी रोज़ सैकड़ों आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 6 से 9 दिसंबर 2025 तक हरियाणा के पंचकूला स्थित दशहरा ग्राउंड में आयोजित हो रहा है। यह भारत के वैज्ञानिक मंत्रालयों एवं विभागों (सीएसआईआर, डीएसटी, डीबीटी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय) द्वारा आयोजित वार्षिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ावा देना तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में प्रगति के बारे में जन-संपर्क एवं जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

छह जिलों में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, 17 गांव बदलेंगे अपनी तहसील; रीऑर्गेनाइजेशन को दी मंजूरी

तहसील या सब-तहसील से हटाकर उस प्रशासनिक इकाई में किया जाएगा शामिल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के छह जिलों के 17 गांवों के रीऑर्गेनाइजेशन (पुनर्गठन) को हरी झंडी दे दी है। इन गांवों को मौजूदा तहसील या सब-तहसील से हटाकर उस प्रशासनिक इकाई में शामिल किया जाएगा, जो भौगोलिक रूप से अधिक नजदीक है। लोगों के लिए सुविधाजनक है। सोमवार को यहां मंत्रिमंडल की बैठक में इन गांवों की तहसीलों को बदलने से जुड़े प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

सरकार के मुताबिक, कई गांव अपनी वर्तमान तहसील से काफी दूर हैं, जिससे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति-आय प्रमाण पत्र, पटवारी/कानूनगो रिकॉर्ड, रजिस्ट्रेशन जैसे जरूरी काम करवाने में लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बार-बार लंबी दूरी तय करना न केवल समय और पैसा खर्च करवाता है, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे पर भी असर डालता है।

बेहतर सुविधा और सुशासन के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। राज्य स्तर की रीऑर्गेनाइजेशन कमेटी ने तीन बैठकों में इन गांवों की दूरी, भौगोलिक स्थिति और वहां के लोगों की सुविधा का विश्लेषण किया। उसके आधार पर जिलों के उपायुक्तों ने अपनी रिपोर्ट भेजी और गांवों को नई तहसीलों में भेजने की सिफारिश की। कैबिनेट ने सभी प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है।

रीऑर्गेनाइजेशन के तहत, महेंद्रगढ़ जिले के मंदोला गांव को अब सतनाली सब-तहसील से हटाकर महेंद्रगढ़ तहसील में शामिल किया जाएगा। रेवाड़ी जिले में बरेली कलां को पाल्हावास से हटाकर रेवाड़ी तहसील में जोड़ा जाएगा। यमुनानगर जिले के तीन गांवों - गुंडियाना और रूपोली, जो फिलहाल रादौर तहसील में शामिल हैं, उन्हें सरस्वती नगर में स्थानांतरित किया जा रहा है। वहीं चाहरवाला गांव वर्तमान में सरस्वती नगर से हटकर ब्यस्पुर तहसील में जोड़ा जाएगा।

फरीदाबाद के सेक्टरों का प्रारुप बदला

फरीदाबाद में शहरी क्षेत्रों का भी पुनर्गठन हो रहा है। सेक्टर 15, 15ए और 16ए को बड़खल से हटाकर फरीदाबाद तहसील में जोड़ा जाएगा, जबकि सेक्टर 21ए और 21बी अब फरीदाबाद से हटकर बड़खल सब-तहसील के अधीन होंगे। झज्जर जिले में बिलोचपुरा, भिंडावास और शाहजहांपुर गांवों को मातनहेल से हटाकर झज्जर तहसील में शामिल करने का निर्णय लिया गया है।

सिरसा में सबसे अधिक बदलाव

सबसे बड़े बदलाव सिरसा जिले में किए गए हैं। यहां रंगा, लहंगेवाला, मट्टाड़ और अलीकान जैसे गांवों को कालांवाली सब-तहसील से निकालकर सिरसा तहसील के अधीन लाया जाएगा। वहीं मलिकपुरा, किंगरा, नौरंग, बनवाला और मिठरी गांव कालांवाली से हटकर डबवाली या गौरीवाला तहसील में शामिल किए जाएंगे।

इन गांवों के नागरिकों द्वारा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से यह मांग उठाई जा रही थी। विधानसभा में भी कई बार इनकी मांग उठ चुकी। सरकार का दावा है कि इस बदलाव से सरकारी दफ्तरों की दूरी कम होगी। दस्तावेज संबंधी काम में समय बचेगा। फील्ड अधिकारियों की पहुंच और निगरानी मजबूत होगी। प्रशासनिक सेवाओं की डिलीवरी तेज और प्रभावी होगी।